माघ कृष्ण पक्ष -7-8, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 187 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
10 जनवरी 2026 शनिवार

आज का मौसम
27.3 अधिकतम
7.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

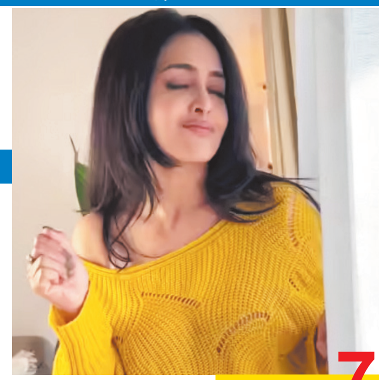
Page-7

न्यूज विंडो

मोदी 17 को पहली वंदेभारत स्लीपर का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कोलकाता और गुवाहाटी के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर 17 जनवरी से चलेगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन में करेंगे। यह ट्रेन 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी।वहीं, रेल मंत्री के मुताबिक 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस भी लॉन्च की जाएंगी। इनकी सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से मिलना शुरू हो जाएंगी। दिल्ली में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे में 2026 में एक बड़ा बदलाव होगा। सभी तरह के सुधारों पर के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शामिल है।

बेल्लारी हिंसा - सरकार ने सीआईडी को सौंपी जांच

नईदिल्ली। कर्नाटक के बेल्लारी में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प मामले से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। सरकार ने बेल्लारी में 1 जनवरी की हिंसा की जांच औपचारिक रूप से आपराधिक जांच विभाग को स्थानांतरित कर दी है। बता दें कि कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जी. जनार्दन रेड्डी के समर्थकों के बीच हुई झड़प में 26 वर्षीय कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही दोनों दलों के बीच राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है।

अंकिता मामले में कथित वीआईपी के खिलाफ केस

देहरादून। वसंत विहार थाने में अंकिता भंडारी मामले के कथित वीआईपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पद्मभूषण पर्यावरणविद डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को शिकायत दी थी। बता दें, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। अब केंद्र सरकार को मामले में फैसला लेना है। इससे पहले अंकिता भंडारी के माता-पिता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान सीबीआई जांच का अनुरोध किया था।

होशियारपुर में बस-कार की टक्कर, चार लोगों की मौत

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में आज सुबह दसूहा मुख्य सड़क पर अड्डा दोसड़क के पास एक भीषण हादसा हो गया। यहां एक बस और कार की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सुबह करीब चार बजे हुआ। हादसा इतना भयानक था कि कार आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार सभी लोग हिमाचल प्रदेश के गगरेट के निवासी थी। पुलिस ने शवों को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। वहीं, एक घायल व्यक्ति का उपचार जारी है। पुलिस जांच में जुटी गई है।

हिमंता का दावा- राज्यसभा की दो सीटें भाजपा जीतेगी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अप्रैल में खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों पर भाजपा और उसके सहयोगी उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने दावा किया कि इन तीन सीटों में से दो सीटों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट पर भी जीत उनके पाले में आने की संभावना है। मुख्यमंत्री सरमा ने पत्रकार वार्ता में कहा 'भाजपा, एजीपी और हमारा संयुक्त मोर्चा इन सभी तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीटों में निश्चित रूप से जीतेंगे, तीसरी पर जीत या हार हो सकती है।'

आज का कार्टून

- सरकार को सुझाव - रोमियो-जूलियट कानून लाने पर किया जाए विचार
- नए प्रावधान से वे किशोर सजा से बचेंगे जो नासमझी में रिश्ते बनाते हैं

किशोरों के बीच सहमति से बने 'संबंध' पर पाक्सो का इस्तेमाल रोकने की सुप्रीम पहल

नईदिल्ली, एजेंसी

किशोरों को यौन अपराधों से संरक्षण कानून यानी पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट क्रांतिकारी बदलाव की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है वह पॉक्सो कानून के तहत किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने वास्तविक संबंधों को कानूनी कार्रवाई की कठोरता से बचाने के लिए एक रोमियो जूलियट क्लॉज शामिल करने पर विचार करे। कोर्ट का कहना है इस के प्रावधान से उन किशोरों को बचाया जा सकेगा, जो नासमझी में आपसी सहमति से रिश्ते बनाते हैं।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि इस कानून का बार-बार दुरुपयोग होते देखा गया है। अदालत ने कहा कि यह कानून बच्चों की सुरक्षा के लिए है लेकिन कई मौकों पर देखा गया है कि इसका इस्तेमाल बदला लेने या निजी हिसाब चुकता करने के लिए किया जाता है, तो न्याय की अवधारणा ही धूमिल हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एक फैसले की प्रति भारत सरकार के कानून सचिव को भेजने का निर्देश दिया है ताकि इस खतरे को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने जिस रोमियो जूलियट क्लॉज का सुझाव दिया है उसका मुख्य उद्देश्य वास्तविक किशोर संबंधों को पॉक्सो की कठोर धाराओं से मुक्त रखना है। अक्सर देखा गया है कि किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने रिश्तों में परिवारों द्वारा विरोध होने पर लड़के के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज करा दिया जाता है। चूंकि, पॉक्सो में सहमति का कोई स्थान नहीं है और पीड़ित की उम्र 18 साल से कम होने पर आरोपी को गंभीर जेल की सजा भुगतनी पड़ती है, इसलिए, अदालत चाहती है कि कानून में ऐसा तंत्र हो जो यह पहचान सके कि कौन से मामले वास्तव में अपराध हैं और कौन से मामले महज किशोर उम्र के आपसी लगाव के हैं। यह मामला उत्तर प्रदेश सरकार की उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उस आदेश में हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न के एक मामले में आरोपी को जमानत दी थी, जिसमें एक नाबालिग लड़की शामिल थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को गलत माना, लेकिन आरोपी को दी गई जमानत को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने एक आरोपी को जमानत देते समय निर्देश दिया था कि पॉक्सो के हर मामले में पुलिस को शुरु में ही पीड़ित का मेडिकल कराना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस निर्देश को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत के चरण में हाई कोर्ट अनिवार्य जांच प्रोटोकॉल जारी नहीं कर सकता और न ही मिनी ट्रायल आयोजित कर सकता है। उम्र निर्धारण केवल ट्रायल का विषय है, जमानत का नहीं।

कानून के दुरुपयोग पर चिंता

फैसले में कहा गया कि जब किसी अच्छे और जरूरी कानून का इस्तेमाल बदले या निजी हित के लिए किया जाता है, तो इससे न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि समाज में एक तरफ ऐसे बच्चे हैं जो डर, बदनामी या गरीबी के कारण चुप रह जाते हैं, जबकि दूसरी तरफ संसाधन-संपन्न लोग कानून का गलत फायदा उठा सकते हैं। कोर्ट ने वकीलों की नैतिक जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और कहा कि उन्हें फालतू और बदले की भावना से किए जाने वाले मुकदमों के खिलाफ गेटकीपर की भूमिका निभानी चाहिए।

पूर्व डीजीपी की रिपोर्ट

फडणवीस और शिंदे को फंसाने का रचा गया था प्लान

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में एक खुफिया रिपोर्ट से भूचाल आ गया है। पूर्व डीजीपी रश्मि शुक्ला ने गृह विभाग को एक खुफिया रिपोर्ट दी है जिसमें कहा गया है कि जब संजय पांडे महाराष्ट्र पुलिस के डीजीपी थे, तब उन्होंने उस समय की सरकार के कहने पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को बिल्डरों से पैसे उगाही के झूठे मामले में फंसाने और जेल में डालने को कहा था। यह बात 2021 की है, तब देवेंद्र फडणवीस विपक्ष में थे। यह रिपोर्ट महाराष्ट्र निकाय चुनाव के बीच आई है इसलिए ज्यादा हलचल है। यह रिपोर्ट गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को सौंपी गई है।

बारामूला में गश्त के दौरान जवान की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में गश्त के दौरान ऊंचाई से फिसलने के बाद सूबेदार हीरा लाल की मौत हो गई। सूबेदार हीरा लाल के सर्वोच्च बलिदान को चिनार कोर (भारतीय सेना) ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। नॉर्दर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने बीबी कैंट में शहीद सूबेदार हीरा लाल को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को नमन किया।

भारत-पाक युद्ध रुकवाने का बेतुका राग

ट्रंप ने फिर जताया शांति के नोबेल पर अपना हक

वाशिंगटन, एजेंसी

तेल और गैस सेक्टर से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाक मुद्दे पर फिर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जब अमेरिका आए थे, तब उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें धन्यवाद दिया था। ट्रंप के मुताबिक, पाक प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद गंभीर होने वाले थे, लेकिन अमेरिकी हस्तक्षेप से हालात संभल गए और इससे करीब एक करोड़ लोगों की जान बची। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने अब तक आठ बड़े युद्धों या संघर्षों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है। नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर ट्रंप ने कहा कि वह इस बात की शेखी नहीं मारना चाहते, लेकिन इतिहास में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनसे ज्यादा इस सम्मान का हकदार हो। उन्होंने संकेत दिया कि इतने संघर्षों को रोकने उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए।

पाक मंत्री की दुआ... किडनैप हो जाएं नेतन्याहू

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करने की मांग की। एक टीवी इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अमेरिका को नेतन्याहू को उसी तरह पकड़ना चाहिए जैसे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को पकड़ा गया था। उन्होंने आगे कहा कि तुर्किए भी नेतन्याहू को पकड़ सकता है और पाकिस्तानी इसके लिए दुआ कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने नेतन्याहू को मानवता का सबसे बड़ा अपराधी करार दिया और दावा किया कि गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ जो अत्याचार हुए हैं, वे इतिहास में कभी नहीं देखे गए। यह बयान एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में सामने आया, जिसकी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। एंकर हामिद मीर ने टिप्पणी को संवेदनशील बताते हुए इंटरव्यू को बीच में ही रोक दिया।

सफर का गाइड बनेगा पीडब्ल्यूडी का एप 'लोकपथ'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सड़क यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'लोकपथ एप 2.0' लॉन्च किया। एप के इस नए वर्जन के माध्यम से यात्रा के दौरान सड़क पर मौजूद पेट्रोल पंप, अस्पताल, पुलिस स्टेशन, पंचर दुकान जैसी आवश्यक सुविधाओं की जानकारी मोबाइल फोन पर ही उपलब्ध रहेगी। लोकपथ एप में अब गड्ढों और खराब सड़कों की शिकायत, एंबुलेंस व हेल्पलाइन सेवाएं और ब्लैक स्पॉट से जुड़ी चेतावनियां भी मिलेंगी, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी और आपात स्थिति में त्वरित सहायता संभव होगी। एप लॉन्च करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोक निर्माण विभाग की महत्वपूर्ण पहल है जिससे आम नागरिकों को सुविधा होगी। मप्र इस मामले में देश के सभी राज्यों के लिए मिसाल बन रहा है। हमें सड़क सुरक्षा, बेहतर रखरखाव और नागरिक सहभागिता को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के स्किल डेवलपमेंट के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क भी लॉन्च किया, जो नवाचार, डिजिटल पहल और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि लोकपथ एप के पहले वर्जन में आई खराब सड़कों की 95 प्रतिशत शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। अब इससे यात्रा के दौरान पर्यटन स्थलों और दुर्घटना के कारण होने वाले सड़क जाम की जानकारी भी मिलेगी।

उत्तराखंड में पारा -19 डिग्री, पिथौरागढ़ में जमे झरने, भोपाल में तापमान 7.2⁰

नई दिल्ली/भोपाल. एजेंसी

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के चलते तापमान में खासी गिरावट हुई है। उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी में शुक्रवार रात को पारा माइनस 19 डिग्री दर्ज किया गया। आज सुबह छिड़कानी में पानी के झरने जमे हुए नजर आए। चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग में पानी की पाइपलाइन जम गई है। इधर, पहाड़ी राज्यों से आ रही बफीर्ली हवाओं से राजस्थान में सर्दी बढ़ गई है। 13 जिलों में कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को जैसलमेर सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।वहीं, बिहार के 32 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। इससे विजिबिलिटी 10 मीटर के आसपास रहने की संभावना है।

भोपाल में उतार-चढ़ाव जारी

राजधानी भोपाल में दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। शनिवार तड़के न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। जो एक दिन पहले 8 डिग्री था। 4 दिन पहले ही यहां 3.8 डिग्री के साथ सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया था।

वेनेजुएला का तेल भारत को देगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका, भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की इजाजत दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। इसका मतलब यह है कि अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से जो व्यापार रुका हुआ था, वह अब फिर से शुरू हो सकता है, लेकिन यह सब अमेरिका की निगरानी और शर्तों के साथ होगा। हालांकि इससे जुड़ी शर्तें क्या हैं, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। वहीं, रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस भी चाहती है कि अमेरिका उसे वेनेजुएला का तेल खरीदने की इजाजत दे दे।

मेट्रो एंकर

आसमान छूते दामों ने बदली परंपरा...लड़के की ओर से दिया जाता है स्त्री धन

अब सिर्फ एक किलो चांदी के साथ होगी आदिवासियों में शादी

अलीराजपुर

चांदी की आसमान छूती कीमतों ने एमपी के आदिवासी समुदाय को अपनी सदियों पुरानी परंपरा पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। जो चांदी कभी सम्मान और स्त्री-धन का प्रतीक हुआ करती थी, आज वही परिवारों के लिए एक आर्थिक बोझ बन गई है। इसी बोझ को कम करने के लिए रतलाम और अलीराजपुर समेत कई आदिवासी बहुल जिलों में एक बड़ा सामाजिक सुधार आंदोलन चल रहा है। समाज ने सर्वसम्मति से फैसला किया है कि शादी-विवाह में दिए जाने वाले चांदी के आभूषणों की मात्रा को सीमित किया जाएगा। आदिवासी समुदाय में लड़की वालों को लड़के की तरफ से डेढ़ किलो चांदी देने की परंपरा है। ये चांदी लड़की के भविष्य के लिए दी जाती है।

एकजुट समाज का फैसला

हाल ही में रतलाम जिले के सैलाना, बाजना और पिपलोदा क्षेत्रों में आयोजित आदिवासी जन-जागृति सम्मेलनों में यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया। भारत आदिवासी पार्टी के रतलाम जिला अध्यक्ष चंदू मईड़ा ने बताया कि समाज के प्रबुद्ध लोगों और युवाओं ने मिलकर यह तय किया है कि अब से विवाह में अधिकतम 1 किलो चांदी ही ली-दी जाएगी। इसके साथ ही, नकद राशि की मांग को भी न्यूनतम रखने पर सहमति बनी है। चंदू मईड़ा कहते हैं गरीब परिवारों के लिए शादी का खर्च उठाना लगभग नामुमकिन हो गया था। इसी को देखते हुए हमने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में बैठकें कीं और सभी की सहमति से यह निर्णय लिया। हमारा लक्ष्य विवाह को एक उत्सव बनाना है, सौदा नहीं।

कर्ज का बोझ कम करने की पहल

इसी तरह का फैसला अलीराजपुर जिले में भी लिया गया है। यहां पहले शादी के समय वर पक्ष की ओर से वधू पक्ष को स्त्री-धन के रूप में 1.5 किलो चांदी देने की परंपरा थी। लेकिन अब इसे घटाकर 1 किलो चांदी और 65,500 रुपए नकद कर दिया गया है। समाज के प्रतिनिधि शंकर तड़वाल इसकी एक बड़ी वजह गिनाते हैं। वे कहते हैं कि विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी के दाम आने वाले समय में और बढ़ेंगे, ये थमने वाले नहीं हैं। जैसे-जैसे दाम बढ़ेगा, समाज पर आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा। वहीं समाज के संजय रावत का कहना है कि कहीं न कहीं आदिवासी परिवार चांदी तो खरीद लेंगे मगर वो जमीन बेचेंगे या फिर कर्ज लेंगे। समाज ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि चांदी बेटियों को दिला तो देते हैं, लेकिन बाद में उन्हें प्रताड़ित किया जाता है कि उनकी वजह से लड़के पर कर्ज चढ़ गया। इसके लिए वो बेटियों को मेहनत मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में भेजते हैं।

साभार

राजधानी में अत्याधुनिक सीएनसी अंडरफ्लोर व्हील लेथ मशीन लगी

अब कोचों की मरम्मत में नहीं लगेंगे हफ्ते मशीन से महज 2 दिन में 'फिट' होंगी ट्रेनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में रेल यात्रियों के सफर को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने की दिशा में रेलवे ने एक बड़ी तकनीकी छलांग लगाई है।राजधानी में अत्याधुनिक सीएनसी अंडरफ्लोर व्हील लेथ मशीन की स्थापना के साथ ही अब ट्रेन कोचों के रखरखाव की पूरी तस्वीर बदलने वाली है। इस तकनीक की सबसे ब?ी खूबी यह है कि पहियों की मरम्मत का जो कार्य पहले 10 से 15 दिनों की लंबी प्रक्रिया में पूरा होता था, वह अब महज 48 घंटों में संपन्न हो सकेगा। इससे न केवल ट्रेनों की उपलब्धता ब?ेगी, बल्कि रद्दीकरण और लेटलतीफी जैसी समस्याओं से भी यात्रियों को निजात मिल जाएगी। यह मशीन लगभग 10.72 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जा रही है और अगले महीने शुरू होने की संभावना है। वर्तमान में व्हील टायर टर्निंग का कार्य भोपाल वर्कशाप द्वारा किया जाता है। जब रानी कमलापति कोचिंग डिपो से कोई कोच 'सिक' घोषित होता है, तो उसे मरम्मत के लिए भेजा जाता है, जिसमें काफी समय लग जाता है। लेकिन इस नई सुविधा के शुरू होने से यह कार्य लगभग दो दिनों में ही पूरा किया जा सकेगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ट्रेनों का संचालन भी अधिक सुचारू रहेगा। साथ ही सीएनसी अंडरफ्लोर व्हील लेथ मशीन से कोचों के पहियों की सटीक

टर्निंग होती है, जिससे उनकी उम्र बढ़ती है और नए पहियों की जरूरत कम होती है। इससे रेलवे को आर्थिक लाभ मिलेगा, यात्रियों को झटकों व शोर से राहत मिलेगी और आपात स्थिति में कोच जल्दी सेवा में लौट सकेंगे।

पूरी तरह आटोमेटेड है यह मशीन

इसकी खासियत यह है कि यह अंडरफ्लोर तकनीक पर आधारित है, यानी कोच को उठाए बिना ही पहियों की टर्निंग की जा सकती है। यह मशीन फर्श के नीचे स्थापित होती है, जिससे कार्यशाला की जगह की भी बचत होती है। इसके चलने वाले भाग नीचे होने के कारण ऑपरेटर के लिए यह ज्यादा सुरक्षित भी मानी जाती है। सीएनसी तकनीक के कारण यह मशीन पूरी तरह आटोमेटेड, तेज और अत्यंत सटीक होती है। इससे काम जल्दी पूरा होता है।

यात्रियों को ये होंगे फायदे

कोचों की मरम्मत अब 10-15 दिन की बजाय 2 दिन में होगी। ट्रेनों की उपलब्धता बढ़ेगी। कैंसिलेशन और लेटलतीफी में कमी। यात्रा अधिक सुरक्षित और आरामदायक। झटकों और शोर में कमी। आपात स्थिति में कोच जल्दी लाइन पर लौटेंगे। लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन बेहतर। रेलवे पर यात्रियों का भरोसा और मजबूत। पहियों की उम्र बढ़ेगी, नए पहियों की जरूरत कम। आटोमेटेड और सटीक तकनीक से बेहतर मेंटेनेंस। बताया जाता है कि सीएनसी अंडरफ्लोर व्हील लेथ मशीन के शुरू होने से कोचों की मरम्मत प्रक्रिया में काफी तेजी आएगी। पहले जहां इस काम में 10 से 15 दिन लगते थे, अब यह मात्र 2 दिन में संभव हो सकेगा। इससे ट्रेनों की उपलब्धता बढ़ेगी और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। यह मशीन पूरी तरह आटोमेटेड और अत्यंत सटीक है, जिससे मेंटेनेंस की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

मार्च के पहले सप्ताह में असम से लाए जाएंगे 15 जंगली भैंसे

नक्सलियों से खाली हुए बालाघाट के जंगलों में आबाद होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बालाघाट जिले के नक्सल मुक्त कराए गए सूपखार जंगलों में अब एशियाई जंगली भैंसें (बुबेलस अर्नी) बसाई जाएंगी। इसके लिए मप्र वन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूपखार वन क्षेत्र में जंगली भैंसों के लिए तीन बड़े एनक्लोजर बनाए जा रहे हैं, जो फरवरी के अंत तक पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। असम से 15 जंगली भैंसों की पहली खेप मार्च के पहले सप्ताह में बालाघाट पहुंचेगी। असम वन विभाग ने तीन वर्षों में तीन चरणों में कुल 50 जंगली भैंसें देने की सहमति दी है। हर साल फरवरी-मार्च में काजीरंगा और मानस नेशनल पार्क से 15-15 और अंतिम चरण में 20 भैंसें मप्र लाई जाएंगी। कान्हा टाइगर रिजर्व के भीतर स्थित सूपखार क्षेत्र के घास के मैदान देश के श्रेष्ठ घास मैदानों में गिने जाते हैं। यहां ऊंची घास, घना जंगल, पर्याप्त पानी वन्यजीवों के लिए अनुकूल है। नक्सलियों के कारण वन विभाग की नियमित पेट्रोलिंग बाधित होती थी। मप्र पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन के अनुसार नक्सली दखल खत्म होने के बाद अब संरक्षण कार्य प्रभावी ढंग से हो सकेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव की पहल से लगभग एक सदी बाद मप्र में जंगली भैंसों की वापसी होगी।

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में चार दिवसीय कार्यशाला

हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से प्रयोगशाला सुरक्षा के व्यावहारिक कौशल सिखाए गए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में पीएम उषा योजना के अंतर्गत आयोजित फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री की चार दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को दवा उद्योग में उपयोग होने वाले रासायनिक विश्लेषण और प्रयोगशाला प्रक्रियाओं से व्यवहारिक रूप से परिचित कराना रहा।

इस दौरान विद्यार्थियों को न केवल विशेषज्ञों के व्याख्यान सुनने का मौका मिला, बल्कि हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से रसायन विश्लेषण, उपकरण संचालन और प्रयोगशाला सुरक्षा जैसे व्यावहारिक कौशल भी सिखाए गए। दस संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने प्रयोगात्मक सत्रों में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो रागिनी गोथलवाल ने

बताया कि इस प्रशिक्षण का मकसद केवल सिद्धांत सीखना नहीं बल्कि उद्योग में लागू प्रक्रियाओं को समझना था। प्रो शिल्पा काओरे ने जोर देकर कहा कि फार्मेसी की पढ़ाई तभी सार्थक है, जब विद्यार्थी विश्लेषणात्मक तकनीकों में दक्ष व आत्मविश्वासी बनें। इसके साथ ही प्रो विवेक शर्मा ने विज्ञान को जीवन से जोड़कर समझने की प्रेरणा दी। समापन सत्र में कुलपति प्रो एस के जैन ने कहा कि विद्यार्थी जो सीख रहे हैं उसे व्यवहारिक जीवन और रोजगार जगत में लागू करें। उन्होंने कार्यशाला को कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों से काम करने, उपकरणों की कार्यप्रणाली समझने और कैरियर की दिशा तय करने में यह प्रशिक्षण बेहद लाभदायक रहा।

वेज के नाम पर परोसा 'चिकन', सनातनी परिवार के धर्म से खिलवाड़ पर उपभोक्ता आयोग ने लगाया 18 हजार जुर्माना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के होटल कोर्टयार्ड की एक घोर लापरवाही ने न केवल सेवा मानकों की धज्जियां उड़ाई, बल्कि एक सनातनी परिवार की शुचिता और धर्म को भी चोटिल कर दिया। न्यू ईयर सेलिब्रेशन की आड़ में होटल प्रबंधन ने शाकाहारी उपभोक्ता को 'वेजिटेबल दम बिरयानी' के नाम पर मांस के टुकड़ों से युक्त चिकन बिरयानी परोस दी। इस अपराध के लिए जिला उपभोक्ता आयोग ने होटल पर 18 हजार रुपये का दंड लगाया है।

जानकारी के मुताबिक कटारा हिल्स निवासी सीमांत दुबे अपने मित्र विनय तिवारी के साथ 31 दिसंबर 2022 की रात उत्सव मनाने के लिए होटल पहुंचे थे। उन्होंने शुद्ध शाकाहारी भोजन का 1707 रुपये ऑर्डर दिया, जिसके लिए लेकिन परोसी गई बिरयानी में मांस की हड्डियां देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। सात्विक जीवन शैली और सनातनी मर्यादा का पालन करने वाले उपभोक्ताओं को भोजन के दौरान मांस के अंश मिलने से न केवल शारीरिक रूप से उल्टियां हुई, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी तोड़ दिया।

आयोग ने माना 'मानसिक अपमान'

मामला जब 29 मई 2023 को जिला उपभोक्ता आयोग पहुंचा, तो होटल प्रबंधन ने होटल में भीड़ और मानवीय भूल का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ना चाहा। लेकिन आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल व डा प्रतिभा पांडेय की बेंच ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि वेज बिरयानी के स्थान पर चिकन बिरयानी परोसना स्पष्ट रूप से सेवा में कमी है। चूंकि उपभोक्ता ब्राह्मण जाति का हैं, ऐसे में उन्हें मानसिक पीड़ा और अपमान का सामना करना पड़ा होगा। इसी आधार पर आयोग ने होटल प्रबंधन को 18 हजार रुपये का हर्जाना अदा करने का निर्देश दिया।

उपभोक्ता को सजग होना भी जरूरी

आयोग का कहना है कि ऐसे मामलों में उपभोक्ता की सजगता के कारण होटल प्रबंधन को अपनी गलती माननी पड़ी। उपभोक्ता ने उस चिकन बिरयानी का फोटो व वीडियो कर लिया था। साथ ही उन्होंने बिल भी जमा किया था। जिससे जब पहली बार में होटल प्रबंधन अपनी गलती मानने से इंकार कर रहा था तो इसे कोर्ट में पेश किया गया, बाद में होटल प्रबंधन भी अपनी गलती मानी और हर्जाना देने को तैयार हुआ।

जल परीक्षण के साथ लीकेज सुधार का कार्य जारी

भोपाल। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को शुद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य के साथ ही पानी की गुणवत्ता की जांच तथा शिकायतों का निराकरण संबंधी कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने शुक्रवार को विभिन्न झुग्गी बस्तियों से 317 जल के नमूनों सहित शहर के अब तक कुल 773 स्थानों से जल के नमूने लेकर 8 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल का परीक्षण किया जा रहा है। निगम अमले ने 31 स्थानों पर पाइप लाइनों के लीकेज सुधारे तथा 26 स्थानों पर सीवेज चेम्बरों को रिपेयर किया गया। निगम अमले ने सीएम हेल्पलाइन एवं महापौर हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त 47 शिकायतों में से 08 का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण भी कराया। महापौर के निर्देश एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश पर नगर निगम, भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दलों ने शहर की झुग्गी बस्तियों से 317 सहित शहर के अन्य स्थानों से अब तक कुल 773 जल के नमूने लेकर गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन व बैक्टेरियल की जांच 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से कराई जा रही है।

नाबार्ड भोपाल से सेंधवा के तायल बंधुओं ने लोन लेकर किया फ्रॉड

सीबीआई कोलकाता ने 13 करोड़ की धोखाधड़ी पर की एफआईआर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीबीआई की कोलकाता स्थित आर्थिक अपराध शाखा ने नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) बैंक भोपाल के साथ हुई करीब 13 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी तायल बंधुओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

यह कार्रवाई भोपाल स्थित नाबार्ड के डीजीएम नंदू जे नायक की शिकायत पर की गई है। इस मामले के मास्टरमाइंड सेंधवा के निमाड़ एग्रो पार्क के संचालक अर्पित कुमार तायल, निकुंज तायल, अशोक कुमार तायल और अंकित कुमार तायल हैं। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, आरोपियों ने वर्ष 2019 में ग्राम जानली में एक एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित करने के नाम पर नाबार्ड से 13.99 करोड़ रुपए का लोन लिया था। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 31 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई थी, जिसमें फूड प्रोसेसिंग मंत्रालय की ओर से 10 करोड़ रुपए की सरकारी मदद भी मिलनी थी।

सीबीआई की प्रारंभिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर ही लोन घोटाले की साजिश रची थी। प्रोजेक्ट के लिए बुनियादी ढांचा खड़ा करने के बजाय आरोपियों ने अपनी ही दूसरी कंपनियों के साथ फर्जी समझौते किए ताकि बैंक से लोन की किस्तें जारी कराई जा सकें। जैसे ही बैंक ने वर्ष 2020 और 2021 के दौरान पांच किस्तों में पैसा जारी किया, आरोपियों ने उस रकम को प्रोजेक्ट में लगाने के बजाय दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर कर रकम हड़प ली। चार दिन पहले नाबार्ड गुजरात के साथ 11 करोड़ की लोन धोखाधड़ी का मामला भी उजागर हुआ था। इसमें नाबार्ड गुजरात के साथ एमपी की कंपनी पार्वती एग्रो प्रोडक्ट के निदेशकों और बैंक अफसरों ने मिलीभगत कर सूरत के मंगरोल में एक मल्टीप्रोडक्ट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के नाम पर बैंक से 11 करोड़ का लोन लेकर हड़प लिया था। कंपनी ने सूरत के गुजरात एग्रो इंफ्रास्ट्रक्चर मेगा फूड पार्क में काजू, फ्रोजन फ्रूट, पल्प और रेडी-टू-ईट भोजन जैसी छह यूनिट लगाने का दावा किया था।

2024 में एनपीए हुआ खाता, खुली असलियत

सीबीआई के अनुसार, लोन चुकाने के बजाय बार-बार संचालक प्रोजेक्ट की टाइम लिमिट ब?ाने की बात कहकर बैंक के अफसरों को गुमराह करते रहे। समय सीमा बढ़ने के बाद भी प्रोजेक्ट पूरा ही नहीं हुआ। इसके बाद 29 सितंबर 2024 को यह लोन खाता एनपीए में तब्दील हो गया। इसके बाद बैंक ने ऑडिट कराने के बाद सीबीआई को कार्रवाई के लिए खत लिखा। जांच में पाया गया है कि इन चारों ने सरकारी धन का दुरुपयोग कर नाबार्ड को लगभग 12.99 करोड़ रुपए की मूल राशि और 44 लाख रुपए के ब्याज का नुकसान पहुंचाया। अब सीबीआई ने इन चारों पार्टनर्स समेत अज्ञात सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, दस्तावेजों की जालसाजी के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 409, 467 और 468 के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 सी के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

युवा चित्रकार विभावरी राजुरकर ने पोट्रेट बनाकर भेंट किए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

युवा चित्रकार विभावरी राजुरकर ने विगत दिनों दुष्यंत कुमार समारक पाण्डुलिपि संग्रहालय के राज सभागार में आयोजित वार्षिक अलंकरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई भाई पटेल एवं वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत को वाटर कलर से बनाये उनके पोट्रेट भेंट किए। राज्यपाल ने पोट्रेट देखकर विभावरी की इस चित्र कला की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है की विभावरी दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय के संस्थापक निदेशक कीर्तिशेष राजुरकर राज एवं करुणा राजुरकर राज की छोटी बेटी है जो स्कोप ग्लोबल इंस्टिट्यूट से फाइन आर्ट में डिग्री कर रही है विभावरी के विविध विषयों पर बनाये गये चित्र दर्शकों कला साधकों को अपनी और आकर्षित करते रहे हैं। उसके चित्रों की जल्द ही एकल चित्र प्रदर्शनी भोपाल में आयोजित की जाएगी। इस आयोजन में नगर के अनेक साहित्यकार एवं कला प्रेमी विशिष्टजन उपस्थित थे।

आयुर्वेद से भारतीय समृद्ध ज्ञान परम्परा को और सशक्त करने के उद्देश्य को लेकर हुआ एमओयू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आईईएचई भोपाल और पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय के मध्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य, आयुर्वेद और आधुनिक/मूलभूत विज्ञान के समन्वय के माध्यम से, भारतीय समृद्ध ज्ञान परम्परा को और अधिक सशक्त करना है। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थानों के विभिन्न विभागों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे आयुर्वेदिक ज्ञान का आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित अध्ययन एवं अनुसंधान किया जा सके। इसका लक्ष्य मूलभूत विज्ञान और आयुर्वेद के सिद्धांतों को एकीकृत करना, शोध की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना तथा भारत की समृद्ध और प्राचीन ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक अन्वेषण करना है। इस समझौते के अंतर्गत संयुक्त शोध परियोजनाएं, अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम तथा ज्ञान-साझाकरण गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इससे प्राध्यापकों, चिकित्सकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को शैक्षणिक और शोध स्तर पर व्यापक लाभ मिलेगा। विशेष रूप से

आयुर्वेद और मूलभूत विज्ञान के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे प्रमाण-आधारित और नवाचारपूर्ण शोध को प्रोत्साहन मिल सके। इस अवसर पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल और आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए । दोनों संस्थानों ने पारंपरिक भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु स्थापित करने, गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने तथा उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और भारतीय ज्ञान परम्परा के विकास में सार्थक योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।

मेट्रो एंकर

शहर में पहली बार पक्षी महोत्सव का आयोजन, मुंबई के पक्षी विज्ञानी हुए शामिल

पक्षी संरक्षण संस्था का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में पहली बार बर्ड फेस्टिवल का आयोजन प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में हुआ। कार्यक्रम में आये लोगों ने कहा कि इस पक्षी महोत्सव से हमें ये समझ आ रहा है कि शहर में पक्षी संरक्षण किसी संस्था का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रकृति के इस महोत्सव ने यह बताया कि भोपाल केवल झीलों का शहर ही नहीं, पंखों वाली अनगिनत कहानियों का घर भी है। मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय और भोपाल बर्ड कंजर्वेशन में संयुक्त रूप से आयोजित भोपाल पक्षी महोत्सव का उद्देश्य आसपास के पक्षी प्रजातियों को पहचानना, समझना और उन्हें बचाने के लिए समाज को जोड़ना था। महोत्सव का उद्घाटन प्रधान वन संरक्षक

शुभरंजन सेन और जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अजय यादव ने किया। समारोह में वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, प्रकृति प्रेमियों और युवाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी दी।

फेस्टिवल में पोस्टर प्रतियोगिता से लेकर फोटो प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक तक गतिविधियां पूरे दिन चलीं। छात्रों ने पक्षी हमारे आसपास और उनका संरक्षण विषय पर पोस्टर बनाए, जिनमें कुछ ने शहरी पक्षियों की परेशानी को दिखाया तो कुछ ने आम लोगों की भूमिका बताई। फोटो प्रदर्शनी ने शहर के जलस्रोतों और जंगलों में बसे पक्षियों की विविधता को भी सामने रखा। इसके साथ ही दिन भर के कार्यक्रमों में लोगों ने विशेषज्ञ व्याख्यान को रुचिकर बताया। पक्षी महोत्सव में डॉ. बीनिष रफत, वैज्ञानिक प्रभारी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, मानिक लाल गुप्ता, डॉ. संगीता राजगीर और मोहम्मद खालिक भी उपस्थित रहे। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी मुम्बई के नंदकिशोर दुधे ने बर्ड्स अराउंड अस पर विशेष रूप से बात करते हुए बताया कि रोजमर्रा के जीवन में हम कितनी प्रजातियों के बीच रहते हैं, पर उन्हें पहचानते तक नहीं। उन्होंने नागरिक विज्ञान यानी आम लोगों की भागीदारी के महत्व को भी समझाया।

प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी के ग्राम बहरी में आयोजित विभिन्न विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण तथा विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

भोपाल में कल 1101 ट्रैक्टरों की रैली

जंबूरी मैदान से सीएम करेंगे कृषि वर्ष की शुरुआत, पूरे साल होंगे किसानों से जुड़े कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

11 जनवरी को एमपी सरकार और विपक्ष के दो बड़े कार्यक्रम होंगे। इंदौर में दूषित जलकांड के विरोध में कांग्रेस न्याय यात्रा का आयोजन करेगी। वहीं भोपाल में सीएम डॉ मोहन यादव कृषि कल्याण वर्ष 2026 की शुरुआत करेंगे। भोपाल के कोकता स्थित आरटीओ ऑफिस के करीब रविवार 11 जनवरी को प्रदेश भर से करीब 1101 ट्रैक्टरों के जरिए किसान इकट्ठे होंगे। इस ट्रेक्टर रैली को सीएम डॉ मोहन यादव हरी झंड़ी दिखाकर रवाना करेंगे।

मप्र की मोहन सरकार इस साल 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के तौर पर मना रही है। भोपाल के जंबूरी मैदान पर 11 जनवरी को एक बड़ा किसान सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में सीएम डॉ मोहन यादव कृषि कल्याण वर्ष 2026 की औपचारिक शुरुआत करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने साफ कहा है कि लक्ष्य सिर्फ आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाना, रोजगार सृजन और कृषि को ग्लोबल मार्केट से जोड़ना है। इसके लिए 3 साल का रोडमैप तय कर गतिविधियां चलाई जाएंगी। खेती से जुड़े सभी विभाग कृषि, सहकारिता, पशुपालन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य और ऊर्जा आपसी समन्वय से काम करेंगे।

ब्राजील-इजराइल तक ट्रेनिंग लेने जाएंगे किसान

किसानों की क्षमता बढ़ाने के लिए राज्य और संभाग स्तर पर प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट कराई जाएंगी। सरकार किसानों को देश के उन्नत कृषि राज्यों के साथ-साथ इजराइल और ब्राजील जैसे देशों में आधुनिक खेती, पशुपालन और तकनीकी नवाचार देखने भेजेगी।

किसानों की आय बढ़ाने का सीधा प्लान

सरकार ने 2026 को कृषि वर्ष घोषित करते हुए साफ किया है कि हर योजना का अंतिम लक्ष्य किसानों की आमदनी बढ़ाना होगा। इसके लिए कृषि गतिविधियों को तीन साल के लक्ष्य के साथ संचालित किया जाएगा। खेती को सिर्फ उत्पादन तक सीमित न रखकर बाजार, प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट से जोड़ा जाएगा, ताकि किसान को उपज का बेहतर दाम मिल सके।

मशीन, तकनीक और सिंचाई पर फोकस

खेती की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। माइक्रो इरिगेशन सिस्टम को प्रोत्साहित कर पानी की बचत के साथ उपज बढ़ाने की योजना है। किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने के लिए एग्री स्टेक और डिजिटल कृषि को जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा।

झाबुआ के गांवों में विकास को नई गति : मंत्री भूरिया

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि विकास की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और ग्रामीण अंचलों में सशक्त अधोसंरचना का निर्माण हो। भूरिया झाबुआ जिले के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसके तहत ग्राम झुमका में 11.22 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आंगनवाड़ी भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत अंतर्गत 37.50 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमि-पूजन, ग्राम लखपुरा में 38 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित पुलिया सह स्टॉप डैम निर्माण कार्य का भी विधिवत भूमि पूजन किया गया। मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण ही समग्र विकास की कुंजी है। आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की पहली पाठशाला होते हैं। नवीन आंगनवाड़ी भवन के निर्माण से बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण मिलेगा, जिससे पोषण स्तर में सुधार होगा और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं अधिक प्रभावी बनेंगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने लखपुरा में पुलिया सह स्टॉप डैम निर्माण कार्य को क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे वर्षा जल का संरक्षण होगा।

111 साल पुराने आबकारी नियम बदलने की तैयारी

तीन महीने में 1000 करोड़ की वसूली होगी, जहरीली शराब पर होगा एक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री और वित्त व वाणिज्यिक कर विभाग के मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि वर्ष 1915 में बने आबकारी अधिनियम के कोई प्रावधान अगर आज की स्थिति में अव्यावहारिक है तो उसमें संशोधन किया जाएगा। यह बदलाव आज के समय के हिसाब से किया जाएगा जो समयानुकूल हो। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपए की आबकारी बकाया राशि की वसूली के निर्देश दिए। ग्रामीण महिलाओं द्वारा शराब की दुकानों से संबंधित जो शिकायत प्राप्त होती है उसे गंभीरता से लेते हुए जल्द निराकरण करें।

18 हजार करोड़ का लक्ष्य- चालू वित्त वर्ष में आबकारी राजस्व का लक्ष्य 18 हजार करोड़ रुपए रखा गया है। जिसे मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है। जिन मामलों में प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं, वहां विशेष प्रयास कर संपूर्ण राशि की वसूली करने के निर्देश दिये गए हैं। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने नई आबकारी नीति वर्ष 2026-27 पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में आबकारी राजस्व बढ़ाने, अवैध शराब पर प्रभावी नियंत्रण तथा विभागीय कार्य प्रणाली को और मजबूत बनाने को लेकर दिए गए सुझावों के बीच कहा कि नई नीति? के लिए सभी जिला अधिकारी अपने सुझाव लिखित में भी दे सकते हैं।

किसी भी स्थिति में अवैध शराब का कारोबार नहीं हो

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचे जाने पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। संबंधित जिलों के अधिकारियों से कहा कि किसी भी परिस्थिति में अवैध शराब का कारोबार नहीं होना चाहिए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। हाल ही में भोपाल, धार, ग्वालियर एवं रायसेन में की गई शराब जब्ती की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए बिना परमिट शराब के परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी तय लक्ष्य को पूरा करें। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा शराब की दुकानों से संबंधित जो शिकायत प्राप्त होती है उसे गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी, इच्छाशक्ति एवं मजबूती से कार्य करें।

जिला आबकारी अधिकारी होंगे जिम्मेदारी

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने जहरीली शराब की घटनाओं पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी जिले में इस प्रकार की घटना दोबारा न हो। यदि ऐसी कोई घटना सामने आती है तो संबंधि?त जिला आबकारी अधिकारी जिम्मेदार होंगे, क्योंकि ऐसी घटनाओं से सरकार की छवि धूमिल होती है। विभाग में लंबित विभागीय जांचों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता एवं संभागीय उड़नदस्तों को और अधिक सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अवैध शराब के निर्माण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों को उच्चतर पदनाम देकर उनका मनोबल बढ़ाने के प्रयास जारी रखने की बात कही गई, जिससे आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी हो सके।

मध्य प्रदेश में टीबी के विरुद्ध लड़ाई होगी आसान

दवा जांच के लिए तीन प्रयोग शालाओं को मिला सर्टिफिकेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में क्षय रोग उन्मूलन के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। इस रोग के खिलाफ जारी लड़ाई अब और आसान हो जाएगी क्योंकि राज्य की तीन प्रयोगशालाओं को दवाई की जांच के लिए प्रमाणन मिल गया है। राज्य के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश ने टीबी के विरुद्ध लड़ाई में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। राज्य की तीन प्रयोगशालाओं को नई पीढ़ी की टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन मिलना हमारे स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता, वैज्ञानिक दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों को समय पर सटीक उपचार मिलेगा और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करती रहेगी। दरअसल, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर एवं जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन (बीडीक्यू) और प्रेटोमैनिड (पीटीएम) के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (एलसी डीएसटी) करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग (सीटीडी) द्वारा प्रदान किया गया है।

अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण जांच होगी सकेगी संभव

उल्लेखनीय है कि ये प्रयोगशालाएं देश की उन शुरुआती 15 प्रयोगशालाओं में शामिल हो गई हैं, जहाँ यह अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण जांच संभव हो पाई है। यह परीक्षण केवल बायो सेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशालाओं में ही किया जा सकता है। इससे पूर्व पूरे देश में केवल एनआईआरटी चेन्नई ही इस परीक्षण के लिए प्रमाणित था, जिसके कारण राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों की आवश्यकता को पूरा करना व्यावहारिक रूप से कठिन था। इस प्रमाणन के माध्यम से अब इन प्रयोगशालाओं में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस पर बीडीक्यू एवं पीटीएम दवाओं की प्रभावशीलता की सटीक जांच संभव होगी।

मरीजों को सही समय पर मिलेगा उपचार

इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों के उपचार में समय पर सही दवा व्यवस्था तय की जा सकेगी, उपचार परिणाम बेहतर होंगे तथा दवा प्रतिरोध के फैलाव को रोकने में भी मदद मिलेगी। नई बी-पाम उपचार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इन प्रयोगशालाओं का प्रमाणन टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा मरीजों को आधुनिक, सटीक एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

धोखाखड़ी रोकने अहम कदम

ईएसबी की परीक्षाओं में आइरिस- फिंगरप्रिंट जांच के बाद ही मिलेगी एंट्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की इस साल होने वाली परीक्षाओं में सुरक्षा के काफी प्रबंध रहेंगे। सभी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की पहचान का सत्यापन आधार आधारित फेस (चेहरे), आइरिस (आंखों की पुतली) स्कैन और फिंगर (अंगुलियों की छाप) प्रणाली से किया जाएगा।

इससे ऐसे लोगों की पहचान की जाएगी, जो दूसरे के नाम पर परीक्षा देने बैठते हैं। इसके लिए ईएसबी परीक्षा केंद्रों पर आइरिस स्कैन और फेस रिकोग्निशन मशीनें लगाएगा। परीक्षा केंद्रों पर अधिक संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नकल रोकने के लिए जैमर भी लगाए जाएंगे। इस संबंध में ईएसबी ने दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इस बार ईएसबी प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा केंद्रों के चयन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भी सहायता लेगा। इस वर्ष विभिन्न सरकारी विभागों में करीब 15 हजार पदों के लिए 16 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ये भर्तियां पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य अहम विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरने के लिए की जाएंगी। बता दें, कि ये कदम वर्ष 2023 की आरक्षक भर्ती परीक्षा में हुई अनियमितताओं के बाद उठाया गया है, जब अभ्यर्थियों ने आधार के बायोमेट्रिक पहचान में धोखाधड़ी कर परीक्षा पास कर ली थी। शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान ऐसे कुछ अभ्यर्थी पकड़े गए थे।

फर्जी अभ्यर्थी की पहचान हो सकेगी

अधिकारियों ने बताया कि आइरिस स्कैन को अंगुलियों के निशान से कहीं अधिक सुरक्षित माना जाता है। यह एक ऐसी बायोमेट्रिक तकनीक है जो सटीक होती है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हर व्यक्ति की आंख की पुतली का पैटर्न बेहद अनोखा और जटिल होता है, जिसे बदला नहीं जा सकता है। इसी तरह फेस रिकोग्निशन भी सुरक्षित माना जा रहा है।

तीन एजेंसियां करेंगी काम

एआई के माध्यम से पुलिस भर्ती परीक्षा को संपन्न कराया जाएगा। इसमें केंद्र के निर्धारण से लेकर प्रश्नपत्र तैयार करने, परीक्षा केंद्रों पर निगरानी और परीक्षार्थियों की जांच सब कुछ एआई के माध्यम से होगा। एआई चार प्रकार से डाटा विश्लेषण कर ईएसबी को भेजेगा। इसमें परीक्षार्थियों द्वारा हल किए गए सवालों पर साफ्टवेयर के माध्यम से नजर रखी जाएगी कि एक विद्यार्थी एक प्रश्न कितने देर में हल कर रहा है।

परीक्षार्थी किस प्रश्न पर कितनी देर रुका, प्रश्नों को हल करने में कितना समय लगा, कितनी देर वह खाली बैठा रहा। इसके आधार पर संदिग्ध की पहचान हो सकेगी। अगर अभ्यर्थी सिर्फ 15 से 20 मिनट में जवाब दे देता है तो एआइ मंडल को रेड अलर्ट भेजेगा। तीन एजेंसियां मिलकर परीक्षा संपन्न कराएंगी।

गजब की चोरी! विदिशा में चोर उखाड़ ले गए 8 लाख के स्पीड ब्रेकर, नपा को खबर तक नहीं

पार्षद की शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा में सड़क पर लगे स्पीड ब्रेकर चोरी हो जाने की घटना सामने आई है। बीते करीब चार महीनों में छह से अधिक स्थानों से एल्यूमिनियम से बने स्पीड ब्रेकर चोर उखाड़ ले गए। नगर पालिका इस पूरे मामले से अनजान बनी रही। नगर पालिका ने करीब एक वर्ष पहले तेज गति पर नियंत्रण और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख मार्गों- चौराहों पर स्पीड ब्रेकर लगवाए थे। इन पर करीब आठ लाख रुपये खर्च किए गए थे।

कुछ ही महीनों बाद एल्यूमिनियम पट्टी से बने ये स्पीड ब्रेकर गायब हो गए। पिछले दिनों पार्षद आयुषी अग्रवाल ने सर्किट हाउस के सामने, दुर्गा नगर चौराहा, एसएटीआइ कालेज के सामने और जिला न्यायालय भवन के सामने लगे स्पीड ब्रेकर चोरी होने की शिकायत नगर पालिका से की थी। शिकायत के बावजूद नगर पालिका ने कोई कार्रवाई नहीं की। एफआईआर पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दोपहर मेट्रो जांच रिपोर्ट में फंसे वेटरनिटी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, रिश्तेदारों को पहुंचाया लाभ

पंचगव्य प्रोजेक्ट के पैसों से किया गोवा का टूर, खरीदी महंगी गाड़ी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

वेटरनरी विश्वविद्यालय में करोड़ों के पंचगव्य प्रोजेक्ट की आड़ शोध कम, वित्तीय अनियमितताएं ज्यादा हुईं। प्रोजेक्ट में गाय के गोबर और मूत्र से उत्पाद तैयार कर इन्हें लोगों तक सस्ते दाम में पहुंचाना था, लेकिन इस काम की आड़ में प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों ने गोवा यात्रा की, महंगी गाड़ी खरीदी। यहां तक की कई ऐसी कंपनियों से मशीन खरीदी, जो प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के नाते-रिश्तेदार थे। यह तथ्य, जिला प्रशासन द्वारा गठित की गई जांच समिति की रिपोर्ट में सामने आई है।

समिति ने विश्वविद्यालय से प्रोजेक्ट से जुड़े सभी दस्तावेज मांगे, लेकिन उन्होंने में मद और उस पर होने वाले खर्चो को ब्यौरा मांगा, जो नहीं दिया गया। जो दस्तावेज मिले, उनकी जांच में पता चला कि प्रोजेक्ट प्रभारी प्रो. यशपाल साहनी और उनकी टीम ने वो यात्राएं किए, जो इस प्रोजेक्ट से जुड़ी नहीं थी। वहीं प्रोजेक्ट में वाहन भी नहीं खरीदना था, लेकिन खरीदा गया। इस पूरे प्रकरण की जांच कर कलेक्टर को जांच सौंपा दी गई है।

घंटों बैठे रहे,पर नहीं दिए दस्तावेज

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में चल रहे पंचगव्य प्रोजेक्ट में वित्तीय अनियमितताओं की जांच के निर्देश दिए। एसडीएम राघुवीर मरावी और टेजरी विनायिका ने इस प्रोजेक्ट की जांच करने, विवि प्रशासन से दस्तावेज मांगे, लेकिन उन्हें कुछ दस्तावेज नहीं मिले। जानकारी के मुताबिक साढ़े तीन करोड़ के प्रोजेक्ट में मद और उस पर होने वाले खर्च का ब्यौरा नहीं दिया गया।

होगी कार्रवाई या फाइलों में दबे का मामला

जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय प्रताप भदौरिया ने नईदुनिया की पंचगव्य में गड़बड़ी से संबंधित खबर को संज्ञान में लिया और कलेक्टर को इसकी जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने जांच समिति बनाई। दो सदस्यीय जांच समिति ने प्रोजेक्ट से जो कुछ भी दस्तावेज उपलब्ध हुए, उसकी जांच में वित्तीय अनियमितता पाई। अब प्रोजेक्ट प्रभारी प्रो. यशपाल साहनी और प्रोजेक्ट के वित्त प्रभारी समेत प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों पर कार्रवाई होगी, जिस पर कलेक्टर या कमिश्नर निर्णय लेंगे। हालांकि इस जांच में यह बात सामने आ गई है कि वेटरनरी विवि में चल रहे शोध में किस तरह से वित्तीय अनियमितता हो रही है।

इसकी जांच क्यों नहीं?

- बायोटेक्नोलाजी विभाग में चल रहे शोध
- विवि के डेयरी, बकरी और मुर्गी फार्म में
- फिशरी कालेज में चल रहे शोध
- वाइल्ड लाइफ में चल रहे शोध

जांच समिति ने पंचगव्य से जुड़े सभी दस्तावेजों को विवि प्रशासन से मांगा था, लेकिन वे सभी उपलब्ध नहीं करा सके। जो दस्तावेज मिले, उसमें अनियमितता सामने आई । जो दस्तावेज नहीं दिए गए, उससे यह भी स्पष्ट होता है कि उनमें भी वित्तीय अनियमितता की गई थी। जांच पूरी कर कलेक्टर को सौंप दी गई है।

– रघुवीर सिंह मरावी, एसडीएम, जबलपुर

आईसीयू में बसा खतरा

अस्पतालों के भीतर आईसीयू को हमेशा उस अंतिम उम्मीद के रूप में देखा जाता है, जहां तकनीक, विशेषज्ञता और सतत निगरानी मिलकर जिंदगी बचाने की जंग लड़ती है। लेकिन एम्स, नई दिल्ली के माइक्रोबायोलॉजी एवं इंफेक्शन कंट्रोल विभाग का ताजा अध्ययन इस धारणा को गहराई से झकझोरता है। अध्ययन बताता है कि जिन इकाइयों को सबसे सुरक्षित माना जाता है, वही गंभीर मरीजों के लिए संक्रमण का सबसे बड़ा केंद्र बनती जा रही हैं। यह तथ्य केवल चौंकाने वाला नहीं, बल्कि आत्ममंथन की मांग करता है। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 190 से अधिक आईसीयू को शामिल करने वाला यह अध्ययन अपने आप में व्यापक और निर्णायक है। इससे पहले भी भारतीय आईसीयू में संक्रमण को लेकर चेतावनियां दी जाती रही हैं, लेकिन यह रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि समस्या अपवाद नहीं, बल्कि व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। सवाल यह है कि क्या हमारी स्वास्थ्य प्रणाली जीवन बचाने की दौड़ में सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों से समझौता कर रही है? अध्ययन में फेफड़ों, मूत्र मार्ग और रक्त से जुड़े संक्रमणों के साथ ऑपरेशन के बाद होने वाले संक्रमणों को सबसे घातक बताया गया है। आईसीयू में भर्ती मरीज पहले से ही कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ संघर्ष कर रहे होते हैं। लंबे समय तक वेंटिलेटर, कैथेटर और सेंट्रल लाइन जैसे उपकरणों पर निर्भरता इलाज को संभव तो बनाती है, लेकिन यही उपकरण संक्रमण के लिए सबसे आसान रास्ता भी बन जाते हैं। विशेष रूप से वेंटिलेटर से जुड़ा निमोनिया आईसीयू में मौत का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। इस संकट को और गंभीर बनाता है मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट बैक्टीरिया का बढ़ता खतरा। जब सामान्य एंटीबायोटिक बेअसर हो जाती हैं, तब इलाज न केवल महंगा और लंबा होता है, बल्कि कई बार डॉक्टर भी असहाय नजर आते हैं। यह स्थिति चिकित्सा विज्ञान की सीमाओं और एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल पर भी सवाल खड़े करती है। यह समस्या केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। यह हमारी स्वास्थ्य नीतियों, संसाधन प्रबंधन और जवाबदेही की सामूहिक परीक्षा है। हाथों की सफाई, उपकरणों की नियमित नसबंदी और संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल कागजों में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखने चाहिए। एम्स के चिकित्सकों द्वारा सख्त इंफेक्शन कंट्रोल और नियमित ऑडिट की सिफारिश दरअसल एक चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। आईसीयू अगर जीवन की अंतिम उम्मीद है, तो उसे संक्रमण का सबसे बड़ा खतरा बने रहने देना हमारी सबसे बड़ी विफलता होगी।

विश्व हिंदी दिवस

हमारे राष्ट्र की आत्मा : जुबां कहते हैं हिंदी आप जिसको, फकत भाषा नहीं पहचान भी है

डॉ अशोक कुमार भार्गव
स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है। अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है।

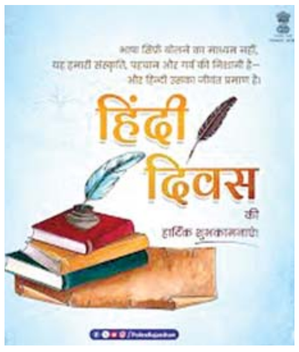

विश्व में ऐसे भी स्थान है जहां भारतीय मूल के लोग नहीं है तब भी वहां पर हिंदी बोली समझी और पढ़ी जा रही है। आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है। इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है। अब विश्व का मानचित्र बदल गया है। पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया है किंतु अब हिंदी के लिए यह गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया है कि वहां कभी भी सूर्य अस्त नहीं होता।

भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्वीकरण और ओधौगिकिकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना ही पड़ा। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सीखाने का व्यवसाय कर रही हैं। अपने उत्पादों के तकनीकी महत्व, जरूरी सूचनाएं, विज्ञापन आदि हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन, विज्ञान, वाणिज्य, व्यवसाय, सूचना प्रणाली, डिजिटल मीडिया आदि अन्य क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्ता को रेखांकित करता है। अतः हिंदी केवल साहित्य की भाषा ही नहीं है अपितु यह पूंजी, बाजार, संचार, तकनीक, विज्ञान, कूटनीति राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का भी प्रतिनिधित्व करती है।

आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के बिंदु विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन ऐसे महत्वपूर्ण आयाम है जिनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पंच प्रण का दूसरा संकल्प गुलामी की हर सोच से मुक्ति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भाषा। दुर्भाग्यवश भारत को उस औपनिवेशिक शक्तिशाली मानसिकता से मुक्त करना संभव नहीं हो सका जिसमें अंग्रेजी को जानना ही विद्वता की निशानी माना जाता है। इसे अंग्रेजी के प्रति हमारी विवशता कहें या आकर्षण या अंधमोह कि आज अंग्रेजी हिंदी से अधिक सशक्त बन गई है। जन सामान्य को यह लगता है कि उनका बच्चा यदि अंग्रेजी नहीं जानता तो वह कितना भी मेधावी और प्रतिभाशाली क्यों ना हो सफल नहीं हो सकता। शिक्षा के पूंजीवादी चरित्र ने अंग्रेजी स्कूलों की भरमार लगा दी है। कभी-कभी तो हिंदी की उपेक्षा से मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि क्या सचमुच हम हिंदी के समर्थक हैं या हम ऐसा होने का मात्र आडंबर कर रहे हैं। अतः हम सबको अपनी भाषा की ओर लौटने, उसे महत्व देने और दुनिया के लिए उसकी उपादेयता सिद्ध करने की सख्त जरूरत है। हमें गैर हिंदी भाषियों के प्रति भी सम्मान का भाव रखना होगा। उत्तर दक्षिण के मध्य सेतु बनाए रखने के लिए हमें एक दूसरे की कम से कम एक भाषा को जरूर सीखना चाहिए। यदि हम ऐसा कर सके तो जैसे 19 वीं सदी फ्रेंच भाषा की और 20 वीं सदी अंग्रेजी की थी तो 21वीं सदी हमारी होगी हिंदी की होगी। सृजन का उत्स है संधान भी है, तरक्की का यही उन्वान भी है। जुबां कहते हैं हिंदी आप जिसको, फकत भाषा नहीं पहचान भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ की जा रही बर्बरता को आखिर कब तक बर्दाश्त किया जाएगा?

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

बांग्लादेश के एक करोड़ तीस लाख हिन्दुओं की सुध लेने वाला कोई नहीं है एक बांग्लादेशी चरमपंथी उस्मान हादी की हत्या के बाद तो हिंदुओं के नरसंहार की झड़ी लग गई है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदायों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सोमवार को देर रात एक हिंदू दुकानदार मोनी चक्रवर्ती की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जो पिछले 24घंटों में इस तरह की दूसरी घटना है। इससे पहले राणा प्रताप बैरागी नाम के युवक को जान से मार डाला। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। शर्मनाक बात यह है कि कथित मानवाधिकार का संरक्षण करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पश्चिमी दुनिया के किसी देश ने बांग्लादेश में कई जा रही सांप्रदायिक हिंसा दरिंदगी के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठायी है इससे पता चलता है कि दुनिया का रवैया हिन्दुओं के प्रति कितना असंवेदनशील है। यहां यह भी तथ्य गौरतलब है कि हमारे देश की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने भी कभी इन बर्बर वारदातों के खिलाफ प्रदर्शन या विरोध की जहमत नहीं की है।

आपको बता दें चोबीस घंटे में दो हिन्दुओं को कट्टरपंथी मजहबी हत्यारों ने मौत के घाट उतार दिया है। 5जनवरी को रात करीब 10बजे नरसिंदी जिले के पोलाश उपजिला के चोरसिंदूर बाजार में किराना दुकान चलाने वाले हिंदू व्यापारी मोनी चक्रवर्ती पर अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मोनी को अस्पताल ले जाते समय ही मौत हो गई। तो वहीं, परिवार का कहना है कि मोनी का किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं था। वे शांत स्वभाव का था उनकी पत्नी अंतरा मुखर्जी हाउसवाइफ हैं और उनका 12वर्षीय बेटा अभिक चक्रवर्ती है इसी दिन जेस्सोर जिले में एक अन्य हिंदू कारोबारी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी की सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। आप जानते हैं कि इन दिनों बांग्लादेश में कट्टरपंथी उन्मादी हिन्दुओं के खिलाफ खून खराबा कर रहे हैं। आपको पता है कि बंगलादेश में जून, 2024 में शेख हसीना की सरकार के विरुद्ध आरक्षण और नौकरियों आदि में भेदभाव जैसे मुद्दों को लेकर छात्रों द्वारा शुरू किए गए आंदोलन के 3 महीनों बाद अंततः 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना को गद्दी छोड़नी पड़ी और तब से उन्होंने भारत में ही शरण ले रखी है। शेख हसीना के भारत आने के बाद सेना ने जब मोहम्मद यूनुस को देश की सत्ता सौंप दी तो उम्मीद थी कि शायद वह उदारवादी रवैया अपना कर देश में व्याप्त असंतोष दूर करने और वातावरण सामान्य बनाने में सहायता करेंगे। आशा के विपरीत मो. यूनुस ने देश की पाठ्य पुस्तकों से बंगलादेश के मुक्ति संग्राम और बंग बंधु शेख मजीबुर्रहमान से संबंधित अध्याय निकाल देने का आदेश जारी करके देश के मुक्ति संग्राम का इतिहास मिटाने की कोशिशें शुरू कर दीं और सैंकड़ों आतंकवादियों को जमानत देकर या उनके विरुद्ध आरोप वापस लेकर उन्हें जेलों से बाहर कर दिया है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, 19 दिसंबर को शरत चक्रवर्ती ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में हिंसा पर चिंता जताई थी, जिसमें उन्होंने अपनी जन्मभूमि को मौत की घाटी बताया था। एक चश्मदीद और रिश्तेदार प्रदीप चंद्र बर्मन ने इस हमले को सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा, पहले से दुश्मनी थी.. उन्होंने (हमलावरों ने) उनका मोबाइल फोन या मोटरसाइकिल नहीं छीनी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दिसंबर, 2025 : 42 वर्षीय सोने के हिंदू व्यापारी प्रांतोष कर्मकार की रात के समय बांग्लादेश के नरसिंगदी जिले के रायपुरा उपजिला में गोली मारकर हत्या कर दी गई।दो दिसंबर, 2025 : 35 वर्षीय हिंदू मछली व्यापारी उत्पल सरकार की सुबह के समय फरीदपुर जिले के साल्था उपजिला में बेरहमी से हत्या कर दी गई।सात दिसंबर, 2025 : 1971 के मुक्ति संग्राम के मुक्तिजोद्धा 75 वर्षीय जोगेश चंद्र राय और उनकी पत्नी सुबोर्ना राय सात दिसंबर को रंगपुर में गला रेतकर हत्या।12 दिसंबर, 2025 : 18 वर्षीय हिंदू ऑटो रिक्शा ड्राइवर शांतो चंद्र दास कुमिला जिले में मृत पाए गए। उनका गला रेतकर शव मक्के के खेत में फेंक दिया गया था।18 दिसंबर, 2025 : मैमनसिंह के भलुका में 27 वर्षीय हिंदू गारमेंट वर्कर दीपू चंद्र दास को इस्लामी भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला।24 दिसंबर, 2025 : राजबाड़ी जिले के 30 वर्षीय हिंदू अमृत मंडल को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। 29 दिसंबर, 2025 : बांग्लादेश के अर्धसैनिक सहायक बल अंसार वाहिनी के हिंदू सदस्य बजेंद्र बिस्वास को मैमनसिंह जिले में फैक्ट्री में साथी नोमान मियां ने गोली मारी। 3 जनवरी, 2026 : शरियतपुर जिले के हिंदू व्यवसायी खोकन चंद्र दास को घर लौटते समय हमलावरों ने रोककर चाकू मारा, फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। 3 जनवरी, 2026 को बंगलादेश के झिनाइदह में हिंदू विरोधी तत्वों ने एक विधवा हिंदू महिला से सामूहिक बलात्कार करने के बाद उसे पेड़ से बांध कर बुरी तरह पीटा और उसके बाल भी काट दिए। 5 जनवरी, 2026 : एक अखबार के 38 वर्षीय कार्यवाहक संपादक और बर्फ फैक्ट्री के मालिक राणा प्रताप बैरागी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। और अब 5 जनवरी की रात सोमवार को देर रात एक हिंदू दुकानदार मोनी चक्रवर्ती की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जो पिछले 24घंटों में इस तरह की दूसरी घटना था। कोई गारंटी नहीं है कि यह अमानवीयता दरिंदगी और बर्बरता का सिलसिला यहीं थमेगा। आपको बता दें कि ऐसी घटनाओं पर बंगलादेश की अंतरिम सरकार की चुप्पी उसकी नीयत में खोट का संकेत देती है जिस पर विश्व भर में चिंता व्यक्त की जा रही है। बंगलादेश में जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरवादी ताकतों तथा पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ने से वहां के लोगों में भारत विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं और सुरक्षा मामलों में सहयोग भी प्रभावित हुआ है। इस समय राजनीतिक अस्थिरता झेल रहा बंगलादेश कट्टरपंथियों के दबाव में आकर आज आक्रामकता अराजकता और कानून व्यवस्था के सबसे बुरे दौर में पहुंच रहा है जहां से लौटना और कानून व्यवस्था अराजकता पर नियंत्रण पाना अस्थिर सरकार के बूते से बाहर की बात होगी। आखिर भारत सरकार कब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ की जा रही बर्बरता को नजरअंदाज कर सकती है?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

डायबिटीज में शुगर फ्री बिस्किट, कैलोरी के साथ वजन बढ़ने का खतरा

डायबिटीज की बीमारी में मीठा खाना छोड़ देना या बहुत कम खाने की सलाह दी जाती है। जब बात बिस्किट की आती है, तो जाहिर है मीठा होने की वजह से बहुत से लोग बिस्किट भी खाने से बचते हैं। ऐसे में बाजार में शुगर फ्री बिस्किट भी आते हैं जिन्हें लेकर लोगों में भ्रम है कि इन्हें खाना चाहिए या नहीं। डॉक्टर समिथ एस शेट्टी, कंसल्टेंट डायबिटोलॉजिस्ट, स्पर्श हॉस्पिटल, बेंगलुरु आपको बता रहे हैं कि क्या शुगर-फ्री बिस्किट डायबिटीज के लिए अच्छे होते हैं या नहीं।

डॉक्टर ने बताया कि शुगर-फ्री बिस्किट को डायबिटीज के मरीजों के लिए आमतौर पर सेफ मानते हैं क्योंकि इनमें चीनी नहीं मिलाई जाती। लेकिन इन्हें खाते समय सावधानी जरूरी है। भले ही इन बिस्किट में चीनी न हो लेकिन इनमें मैदा और आर्टिफिशियल स्वीटनर हो सकते हैं। ज्यादा मात्रा में खाने पर ये भी ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित कर सकते हैं। अक्सर शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स में कार्बोहाइड्रेट और फैट की मात्रा अधिक होती है। इससे कैलोरी इनटेक बढ़ता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शुगर-फ्री बिस्कुट में पोषक तत्वों की कमी होती है। इनमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स की मात्रा कम होती है। ये केवल कार्बोहाइड्रेट और वसा का स्रोत बन जाते हैं, जो हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनमें प्रोटीन की भी कमी होती है, जिससे ये संतुलित आहार का हिस्सा नहीं बन पाते। इसलिए इन्हें सेहतमंद स्नैक मानकर खाना सही नहीं होगा और हमें इनके विकल्प के रूप में अधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों का चयन करना चाहिए।

मीठे की चाह बढ़ा सकते हैं: आर्टिफिशियल स्वीटनर थोड़ी मात्रा में सुरक्षित माने जाते हैं लेकिन ये मीठा खाने की इच्छा को बढ़ा सकते हैं। इससे व्यक्ति बार-बार मीठी चीजें खाने की तरफ झुक सकता है। डायबिटीज में सिर्फ क्या खा रहे हैं यही नहीं बल्कि कितना खा रहे हैं, यह भी उतना ही अहम है। इसलिए किसी भी शुगर-फ्री बिस्किट को खरीदने से पहले उसका लेबल जरूर पढ़ें। डॉक्टर ने बताया कि डायबिटीज कम करने में फाइबर का बड़ा रोल होता है इसलिए हमेशा ऐसे स्नैक्स चुनें जिनमें साबुत अनाज, फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट की मात्रा ज्यादा हो।

निशाना

नींद उड़ा दे रातों की..!

बसंत कुमार शर्मा

भले न कुछ धन दौलत रख।
सच कहने की हिम्मत रख।
नींद उड़ा दे रातों की,
ऐसी कोई लत मत रख।
होना हो मशहूर तुझे,
अपना नाम मुहब्बत रख।
सारी दुनिया घूम भले,
अपने दिल में भारत रख।
सूरत चाहे जैसी हो,
सुंदर अपनी सीरत रख।
अगर सफलता पानी है,
कर्म अपना शत प्रतिशत रख।
अगर जिंदगी जीनी है,
दिल में थोड़ी हसरत रख।
कभी न कोई पूछे हाल,
इतनी भी न शिकायत रख।
काम बहुत होंगे तुझको,
अपने लिए भी फुरसत रख।

AI अपडेट

एलन मस्क का दावा, अगले तीन साल में तैयार हो जाएगा टॉप सर्जन से ज्यादा काबिल रोबोट

एलन मस्क ने दावा किया है कि टेस्ला का ऑप्टिमस रोबोट अगले तीन सालों में दुनिया के सबसे अच्छे सर्जनों से भी बेहतर होगा। एलन मस्क अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। 'स्थ्शद्वद्धश्चह्व' पॉडकास्ट के होस्ट पीटर डायमंडिस के साथ बातचीत में मस्क ने कहा कि उनका ह्रश्चह्लद्बद्वह्वह्य रोबोट अगले तीन साल में इंसानी सर्जनों से भी बेहतर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में डॉक्टरों और अच्छे सर्जनों की कमी है और डॉक्टर बनने में बहुत समय लगता है। साथ ही, डॉक्टरों के पास समय कम होता है और वे गलतियां भी कर सकते हैं। मस्क का मानना है कि तीन साल में ऑप्टिमस रोबोट इतने बड़े पैमाने पर उपलब्ध होंगे कि उनकी संख्या दुनिया के सभी सर्जनों से ज्यादा होगी और वे उनसे बेहतर सर्जरी कर पाएंगे।

तीन साल में रोबोट कर पाएंगे सर्जरी: एलन मस्क का कहना है कि अगले तीन सालों के अंदर टेस्ला का ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस दुनिया के सबसे अच्छे सर्जनों को भी पीछे छोड़ देगा। 'मूनशॉट्स' पॉडकास्ट के होस्ट पीटर डायमंडिस ने जब उनसे पूछा 'आपको क्या लगता है कि ऑप्टिमस कब तक दुनिया के सबसे अच्छे सर्जनों से भी बेहतर सर्जन बन जाएगा, इसमें कितना समय लगेगा?' मस्क ने इसका जवाब दिया 'तीन साल, और वैसे, यह बड़े पैमाने पर तीन साल ले सकता है। शायद धरती पर सभी सर्जनों से ज्यादा ऑप्टिमस रोबोट ऐसे होंगे, जो बेहतरीन सर्जन होंगे।'

पहली बार 2022 में दिखाया था रोबोट: एलन मस्क ने पहली बार 2022 में ऑप्टिमस रोबोट के प्रोटोटाइप दिखाए थे और तब उन्होंने कहा था कि पहले प्रोडक्शन मॉडल अगले साल तक उपलब्ध हो सकते हैं। लेकिन दो साल बाद, 2024 में मस्क ने रोबोट की बिक्री के लिए 2026 का लक्ष्य रखा। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य नीति के एक विशेषज्ञ ने बताया कि मस्क बहुत ज्यादा आशावादी हैं और प्रमुख सर्जरी के लिए रोबोट का उपयोग कई सालों तक असंभव होगा।

सटीक प्रोग्रामिंग है मुश्किल-एक्सपर्ट: न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के ग्रॉसमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन में बायोएथिसिस्ट प्रोफेसर आर्थर कैप्लान ने मस्क के भी इस दावे को विश्वास करने लायक नहीं बताया है। कैप्लान के अनुसार, यह संभावना बहुत कम है कि रोबोट तीन साल में सभी सर्जरी जैसे कार्डियक, ब्रेन, ऑर्थोपेडिक्स, प्लास्टिक, पीडियाट्रिक आदि में इंसानों से बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि 'मानवीय भिन्नता इतनी अधिक है कि सटीक प्रोग्रामिंग मुश्किल है'। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि परिणामों की तुलना करके समानता समझाने में सालों लग जाएंगे।

यूजर्स गाइड

बेस्ट परफॉर्मेंस चाहिए तो नया फोन खरीदते ही बदल लेनी चाहिए जरूरी सेटिंग्स

ज्यादातर लोग जब नया फोन खरीदते हैं, तो उसे सेटअप करते समय कुछ जरूरी चीजों का ध्यान नहीं रखते। इसकी वजह से उन्हें फोन की परफॉर्मेंस, बैटरी लाइफ और डिस्प्ले में दिक्कत महसूस होती है। ऐसे में लोग अक्सर मान बैठते हैं कि जो फोन उन्होंने खरीदा है उसमें किसी तरह की कोई कमी है जबकि फोन की खराब परफॉर्मेंस की असली वजह कुछ और ही होती है। दरअसल फोन को खरीदने के बाद कुछ सेटिंग्स तुरंत बदली जानी चाहिए।

जिस समय हम किसी नए फोन को सेटअप करते हैं, तो फोन हमें थ्री बटन लेआउट और जेस्चर नेविगेशन में से किसी एक तरीके को चुनने के लिए कहता है। अगर आप फोन को स्मूद तरीके से इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो इस मौके पर आपको जेस्चर नेविगेशन को चुनना चाहिए। इससे आपके फोन की डिस्प्ले पर नीचे की ओर तीन बटन जगह नहीं घेरते और आप टच करके जेस्चर नेविगेशन की मदद से फोन को कंट्रोल कर पाते हैं।

दरअसल यह फोन को ज्यादा आसानी और बेहतर तरीके से कंट्रोल करने का तरीका होता है। इसकी मदद से आप फोन के दोनों किनारों से पीछे की ओर स्वाइप करके बैक जा सकते हैं और नीचे से ऊपर की ओर स्वाइप करके देख सकते हैं कि बैकग्राउंड में कौन से ऐप एक्टिव हैं। इसी तरह ऊपर से नीचे की ओर स्वाइप करके आप क्विक सेटिंग्स को एक्सेस कर सकते हैं।

अगर आपने फोन को सेटअप करते समय जेस्चर नेविगेशन ऑन नहीं किए थे, तो इसके लिए अपने फोन की सेटिंग्स (Settings) > सिस्टम (System) > जेस्चर (Gestures) > सिस्टम नेविगेशन (System Navigation) में जाएं और जेस्चर नेविगेशन (Gesture Navigation) को चुनें।

पहले से इंस्टॉल्ड ऐप्स हटाएं: फोन सेटअप करते समय स्मार्टफोन उन एक्स्ट्रा ऐप्स के बारे में बताता है, जो कि फोन में पहले से इंस्टॉल होकर मिलते हैं। कई बार सेटअप के दौरान ही इन ऐप्स को इंस्टॉल न करने का ऑप्शन भी साथ में ही दिया जाता है लेकिन लोग उसे नजरअंदाज कर तमाम फिजूल ऐप्स फोन में इंस्टॉल कर अपने फोन की परफॉर्मेंस और बैटरी लाइफ को गिरा देते हैं। ऐसे में फोन सेटअप करने के बाद सबसे पहले फोन में से उन ऐप्स को हटाना चाहिए, जो कि पहले से फोन में इंस्टॉल होकर आती हैं। इससे आपके फोन के प्रोसेसर पर फिजूल लोड नहीं पड़ता और फोन की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है।

सही रिफ्रेश रेट चुनें: अधिकतर स्मार्टफोन्स में हाई रिफ्रेश रेट वाली डिस्प्ले तो मिलती है लेकिन डिफॉल्ट रूप से ली रिफ्रेश रेट या फिर ऑटो रिफ्रेश रेट को चुना गया होता है। इससे फोन अपने हिसाब से तय करता है कि कहां उसे डिस्प्ले कितने रिफ्रेश रेट पर चलानी है। ऐसे में फोन सेटअप करने के बाद डिस्प्ले सेटिंग्स में जाकर रिफ्रेश रेट को हाई पर सेट कर देना चाहिए। इससे आपको पूरे फोन पर स्मूद एक्सपीरियंस देखने को मिलता है।

तिरला पुलिस ने अज्ञात लोगों पर दर्ज किया केस

अवैध शराब की सूचना पर पहुंची टीम पर किया पथराव, वाहनों में तोड़फोड़

धार। दोपहर मेट्रो

नगर में आबकारी विभाग और दबिश टीम पर हमला हुआ हैं, कुछ लोगों ने विभाग की टीम को रोकने का प्रयास करते हुए पथराव किया। इस दौरान अज्ञात लोगों ने गोफन भी चलाए थे। जिसमें एक शासकीय वाहन क्षतिग्रस्त्र हुआ हैं, इधर पूरी घटना की सूचना आबकारी विभाग ने पुलिस को दी है। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करते हुए वैधानिक कार्यवाही शुरु कर दी है। साथ ही आरोपियों की पहचान को लेकर पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

आबकारी विभाग पर हमला तिरला ब्लॉक में हुआ है। विभाग के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि अवैध शराब की पेटियों से भरा आयशर वाहन आया हैं, जिसमें रखी शराब को रात के अंधेरे में ही ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की दो टीमों के साथ दबिश टीमों ने आयशर वाहन का पीछा करना शुरु किया। ग्राम सुरजपुरा स्थित पहाड़ी से आबकारी विभाग की टीम पर हमला हुआ था। पत्थरबाजी के दौरान आबकारी का अमला पथराव से बचने के लिए पुनः पीछे की और लौटने लगा तभी शासकीय वाहन को पलटाने में चालक को परेशानी होने लगी। ऐसे में बोलेरो वाहन को मौके पर ही छोडकर दूसरे वाहनों की मदद से आबकारी अमला धार कार्यालय लौट आया।

घटनास्थल पर ठेकेदार की दबिश टीम के सदस्य भी मौके पर उपस्थित थे, जिनके साथ भी ग्रामीणों ने मारपीट की है, मारपीट तीन लोग घायल हुए है जिनका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है, गोफन लगने से उन्हें मामूली चोट आई है। विभाग की टीम पर हमला रात्रि करीब 12: 30 बजे हुआ था। अज्ञात बदमाशों ने सभी कांच फोडने के साथ ही वाहन में भी तोड़फोड़ की है। आबकारी विभाग के अधिकारी तिरला थाने पर पहुंचे व कार्यवाही के लिए एक आवेदन सौंपा। आबकारी विभाग के उनि राजकुमार शुक्ला ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि उक्त वाहन को मौके पर ही छोडकर आ गए थे, क्षेत्र के ग्रामीणों ने वाहन को क्षतिग्रस्त्र कर दिया था। शुक्ला के अनुसार आरोपियों ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के साथ ही सामुहिक रुप से बल प्रयोग करते हुए कर्मचारियों पर पथराव किया था। आबकारी पर हुए हमले की सूचना रात में ही स्थानीय पुलिस टीम को मिल गई थी, अधिकारियों की टीम घटनास्थल पर पहुंची तो आयशर वाहन मिला। इस वाहन में शराब की पेटियां नहीं थी, ऐसे में पुलिस क्षतिग्रस्त आयशर को भी लेकर थाने पर पहुंची है। साथ ही वाहन चालक सहित मालिक की तलाश की जा रही हैं, ताकि पूरी वारदात की जानकारी स्पष्ट हो सके।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया कि अवैध शराब की सूचना पर आबाकरी विभाग की टीम और ठेकेदार की दबिश टीमें कार्रवाई के लिए सुरजपुरा गई थी, जहां आयशर वाहन को रोककर चौकिंग के दौरान उनपर हमला किया गया है, शासकीय वाहन में तोड़फोड की गई है, कुछ सदस्यों को मामूली चोट लगी है, शासकीय वाहन में तोड़फोड़, और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

न्यूज विंडो

वन अनुभूति कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कराया जंगल का भ्रमण

गंजबासौदा। विदिशा वनमंडल अंतर्गत बासौदा परिक्षेत्र के हामिदपुर में वन अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय विद्यालय हामिदपुर, अमारी तथा सुमेर दांगी के छात्र छात्राओं को सम्मिलत किया गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर एके खरे एवं राजीव श्रीवास्तव द्वारा वन, वन्यजीव एवं पर्यावरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें वन परिक्षेत्र अधिकारी पिंकी रघुवंशी द्वारा बच्चों को जंगल भ्रमण के साथ वनों से संबंधित जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने भी सवाल किए। इस कार्यक्रम में अशोक गौर, लक्ष्मीप्रसाद पंथी ,प्रवीण विश्वकर्मा वनपाल एवं कृष्णपाल सिंह, धर्मेन्द्र कुशवाह वनरक्षक एवं जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ईडी की छापेमारी, रेत कंपनी के कर्मचारी से 14 घंटे पूछताछ

नर्मदापुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने मंगलमय कॉलोनी में रेत कंपनी कर्मचारी अजय उर्फ बबलू अग्रवाल के किराए के मकान पर पहुंची। सुबह पहुंची टीम ने करीब 14 घंटे तक पूछताछ की, जो रात 8:30 बजे खत्म हुई। पूरे समय टीम ने मीडिया से दूरी बनाए रखी।घर के बाहर बंदूकधारी सुरक्षा बल तैनात रहा, जिसने किसी को भी नजदीक आने नहीं दिया। ईडी ने अजय का मोबाइल सुबह ही कब्जे में ले लिया। पूछताछ एक अन्य रेत कंपनी और रेत कारोबार से जुड़े संबंधों पर केंद्रित रही। टीम ने अजय से चार पेज का अंग्रेजी स्टेटमेंट लिखवाया और साइन कराया। टीम के जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अजय ने कहा, मुझे नहीं पता ईडी मेरे घर क्यों आई। मैं 22 साल से रेत क्षेत्र में नौकरी कर रहा हूं। फिलहाल पावर मैक कंपनी के नाके पर काम करता हूं। सैलरी 15 हजार रुपये है। उन्होंने स्टेटमेंट लिखवाने की बात भी मानी।

नगर में निकलेगी भगवान महामृत्युंजय की प्रसिद्ध रथ यात्रा

महेश्वर। शिव की पुराणिक नगरी महेश्वर में रविवार को भगवान महामृत्युंजय की प्रसिद्ध रथ यात्रा भव्य रूप से निकाली जाएगी। यह रथ यात्रा स्वाध्याय भवन महालक्ष्मी नगर से दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगी। सामाजिक समरसता, सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय के भाव के साथ निकलने वाली यह यात्रा मां नर्मदा के पावन तट पर आयोजित होने वाली 20वीं रथ यात्रा होगी। रथ यात्रा की जानकारी देते हुए न्यास अध्यक्ष भगवान दास भलिका ने बताया कि यात्रा की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर को धार्मिक वातावरण से सराबोर करने के लिए विशेष सजावट की गई है, वहीं नर्मदा घाट को भी आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, ताकि आरती को और अधिक भव्य बनाया जा सके। रथ यात्रा स्वाध्याय भवन से प्रारंभ होकर धामनोद मार्ग, जय स्तंभ चौराहा, महात्मा गांधी मार्ग, बाजार चौक और नर्मदा मार्ग से होते हुए शाम के समय नर्मदा घाट पहुंचेगी। यहां हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भगवान महामृत्युंजय की काकड़ आरती संपन्न होगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि काकड़ आरती के दौरान नर्मदा घाट पर भक्तिभाव और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। आयोजन को लेकर नगरवासियों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा

मंडीदीप नगर पालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर जांच टीम गठित होगी

मंडीदीप। रायसेन जिले के मंडीदीप नगर पालिका में विभिन्न विभागों में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार को लेकर स्थानीय निवासियों की शिकायत पर बड़ा विकास हुआ है। शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से मिलकर आवास योजना, तहबाजारी में गोलमाल, अमृत-2 योजना में अनियमितताएं, सतलापुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के निर्माण कार्यों में गड़बड़ी, कायाकल्प योजना में खामियां तथा घर बैठे वेतन लेने वाले कर्मचारियों के आरोप लगाए थे। इस शिकायत पर कलेक्टर ने डूडा की अधिकारी सुरेखा जाटव को जांच के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को सुरेखा जाटव मंडीदीप नगर पालिका कार्यालय पहुंचीं, लेकिन आरोपों की गंभीरता और जांच के विस्तृत दायरे को देखते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि जल्द ही किसी सक्षम अधिकारी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम गठित की जाएगी, जो सभी आरोपों की बारीकी से जांच करेगी और रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इधर, रायसेन से जांच दल के आने की सूचना मिलते ही नगर पालिका कर्मचारियों ने त्वरित कार्रवाई की। नगर पालिका कार्यालय के सामने लगने वाली फुटकर दुकानों (तहबाजारी) को अचानक हटा दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगल बाजार में करीब 200 दुकानें लगती थीं, जिनसे नगर पालिका द्वारा नियमित वसूली की जाती थी। यह कदम जांच से बचने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, ताकि तहबाजारी में कथित अनियमितताएं पकड़ में न आएं।

पेयजल सप्लाई को लेकर नपाध्यक्ष और सीएमओ ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगर में पेयजल सप्लाई को लेकर नगरपालिका की टीम अलर्ट है। नगर की समूची पेयजल टंकियों की सफाई कराई जा रही है। इससे पूर्व फिल्टर प्लांट की सफाई कराई गई थी और लीकेज पाइप लाइन बंद की जा रही है। अभी तक नगर की 12 टंकियां साफ की जा चुकी है।

जल प्रदाय शाखा प्रभारी उपयंत्री अंबक पाराशर ने बताया कि नगरपालिका द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर समूचे नगर की टंकियों की सफाई अभियान जारी है। आज नपाध्यक्ष और सीएमओ द्वारा वार्ड क्रमांक 23 रामनगर में चल रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। नपा द्वारा पेयजल टेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। श्री पाराशर ने बताया कि रामनगर टंकी, सरस्वती नगर की टंकी, ट्रेचिंग ग्राउंड की टंकी, ग्वालटोली की 7 नंबर की टंकी, भीलपुरा, चर्च टंकी, हर्णे कालोनी, विश्वकर्मा मंदिर टंकी, अफिसर क्लब की टंकी, फेफरताल टंकी, छोटी पहाड़िया की टंकी, भारत माता पार्क की टंकी की सफाई गई है। साथ वाटर टेस्टिंग का कार्य भी किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सहायक सुनील राठौर, सुपरवाईजर नीतेश व्यास आदि उपस्थित रहे।

नए मतदाता जोड़ने और समस्या हल करने पर की चर्चा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी मंडल पुरानी इटारसी के अंतर्गत आने वाली मेहरागांव पंचायत के 12 बूथों के सभी बीएल ओ की एस आई आर से संबंधित महाअभियान को लेकर एक समीक्षा बैठक मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती रीना डोंगरे डोईफोड़े के निवास स्थान पर आयोजित की गई। बैठक में सभी को अपने-अपने बूथों पर अधिक से अधिक नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने एवं नोमपिंग/संशोधन वाले मतदाताओं के आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा कराने हेतु बी एल ओ के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, वरिष्ठ नेता विधायक प्रतिनिधि जयप्रकाश सचान, मंडल उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, मंत्री श्रीमती बबीता सागुले, कार्यकारिणी सदस्य भवानी प्रसाद दुबे, अनुसूचित जाति मोर्चा महामंत्री विनोद साठे, वरिष्ठ नेता प्रवीण कुमार शर्मा, हरिशंकर मुन्ना पाल,प्रशांत मनवारे, साथ ही मातृशक्ति से श्रीमती अनीता शुक्ला, श्रीमती संगीता रामटेके, श्रीमती रचना पटेल, अंकित मेहतो एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में एसआईआर महाअभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से सफल बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

आजाद पंजा चौराहे का 46वां स्थापना दिवस मनाया

इटारसी। शहर के मालवीयगंज में आजाद पंजा चौराहा का 46 वाँ स्थापना दिवस आजाद पंजा चौराहा जीर्णोद्धार समिति और मोहल्ले वासियों, गणमान्यजनो, युवाओं ने मिलकर मनाया। 46 वर्ष पूर्व 9 जनवरी 1980 में आजाद पंजा चौराहा की स्थापना रमेश सोनकर द्वारा की गई थी । कार्यक्रम के दौरान आजाद पंजा चौराहे के स्थापक वरिष्ठ कांग्रेसी रहे एवं समाजसेवी स्वर्गीय रमेश सोनकर को याद किया गया एवं उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किया। साथ ही 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर चौराहे की साजसज्जा की, मिष्ठान वितरण आतिशबाजी भी की गई।

पेयजल समस्या का जल्द करें निराकरण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सोहागपुर के विधायक विजयपाल सिंह ने ग्राम बिछुआ में 38 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए पंचायत भवन का भूमिपूजन किया। इसके बाद उन्होंने ग्राम छेड़का, कुकरा और सियारखेड़ा का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनसंपर्क कार्यक्रम में सरपंच दीपक रघुवंशी ने नल-जल योजना के तहत पर्याप्त पानी न मिलने की गंभीर शिकायत उठाई। विधायक ने इसे गंभीरता से लेते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर समस्या निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ग्रामीणों को नियमित और स्वच्छ पेयजल मिलना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 सालों में कुछ नहीं दिया, सिर्फ वोट लिए। युवाओं को पढ़ाई पर ध्यान देने और नशा न करने की अपील की, क्योंकि नशा जीवन व भविष्य नष्ट करता है। सरकार की योजनाओं से मदद का आश्वासन दिया।ग्रामीण विधायक के त्वरित हस्तक्षेप और सकारात्मक आश्वासन से संतुष्ट नजर आए। सभी ने उनका आभार माना। इस अवसर पर पूर्व विधायक साविता दीवान शर्मा, नगर परिषद उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अभिनव पालीवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

भीम आर्मी ने की भगवान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक पर सख्त कार्रवाई करने की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में भीम आर्मी एकता मिशन ने भी दीपक बौद्ध पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को भीम आर्मी के तहसील संयोजक निर्मल प्रभाकर के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ता सिरोंज थाना परिसर में पहुंचे। यहां उन्होंने थाना प्रभारी को संबोधित आवेदन में बताया कि 3 जनवरी को माता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर दीपक नामक व्यक्ति ने मंच पर आकर हिन्दू धर्म के आराध्या भगवान राम एवं देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की। यह व्यक्ति कार्यक्रम आयोजक टीम एवं भीम आर्मी संगठन का कोई सदस्य या पदाधिकारी नहीं है। उसने मंच संचालक को पर्ची देकर स्वयं को बोलने की अनुमति मांगी थी। उसके वक्तव्य को सुनकर आयोजक टीम ने मंच पर पर्ची भेजकर उसे रोक दिया था। भीम आर्मी का उसके बयान से कोई संबंध नहीं है और न ही संगठन उसका समर्थन करता है। अपने आवेदन में भीम आर्मी ने दीपक के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग भी की है। इसके साथ ही संगठन ने निर्दोष आयोजक सदस्य के विरूद्ध झूठी कार्रवाई होने पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने की बात भी कही है। भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी के इस मामले में आरोपी दीपक बौद्ध के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। जिले में हिन्दू संगठनों ने विरोध में ज्ञापन दिया है। पुलिस ने मामले में प्रकरण तो दर्ज कर लिया है लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार को हिन्दू समाज द्वारा शहर में प्रदर्शन किया जाएगा। जिसका एकत्रीकरण दोपहर 1 बजे छतरी नाका चौराहे पर होगा।

मेट्रो एंकर स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता एवं स्वच्छता चैंपियन सम्मान समारोह का आयोजन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूल को मिला पुरस्कार

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद सिरोंज द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ÷स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता एवं स्वच्छता चैंपियन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नगर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों, वार्डों एवं नागरिकों को प्रोत्साहित करना तथा पूरे शहर को स्वच्छता की दिशा में एकजुट करना रहा।

इस अवसर पर आयोजित स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, शासकीय कार्यालयों एवं वार्डों के बीच स्वच्छता, साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन एवं जन सहभागिता के आधार पर मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर केडीबीएम स्कूल को प्रथम पुरस्कार, उप डाकघर को द्वितीय पुरस्कार एवं वार्ड क्रमांक 08 को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नगर में निरंतर स्वच्छता के लिए समर्पित नागरिकों को ÷स्वच्छता चैंपियन÷ के रूप में सम्मानित किया गया। इस वर्ष जिन नागरिकों को सम्मान मिला उनमें श्रीमती ज्योति दुवे, श्री नईम खां, श्री अजय घेंघट, श्री रोहित नरवारे, श्रीमती सीमा बाई एवं श्रीमती अंजली करोसिया शामिल रहे। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, जन जागरूकता एवं साफ-सफाई के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू जी, उपाध्यक्ष श्री मनोज साईनाथ जी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री रामप्रकाश साहू जी, स्वास्थ्य अधिकारी श्री मनीष कुमार जी तथा नगर पालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू जी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री रामप्रकाश साहू जी ने नगरवासियों से अपील की कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विशेष रूप से ÷रोको-ठोको अभियान÷ पर जोर देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर थूकना, गंदगी फैलाना एवं खुले में कचरा फेंकना सामाजिक अपराध है और इसे रोकने के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि यदि हर नागरिक अपने घर, गली और वार्ड को स्वच्छ रखने का संकल्प ले ले तो सिरोंज शहर निश्चित रूप से एक आदर्श स्वच्छ नगर बन सकता है।

पिट्टू खेल का प्रोमो संपन्न

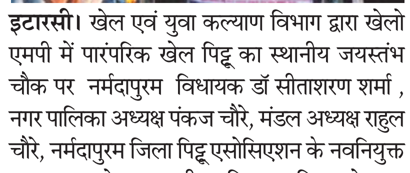

इटारसी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलो एमपी में पारंपरिक खेल पिट्टू का स्थानीय जयस्तंभ चौक पर नर्मदापुरम विधायक डॉ सीताशरण शर्मा , नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, नर्मदापुरम जिला पिट्टू एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक मालवीय, जिला सचिव मोहम्मद जाफर सिद्दीकी तथा कॉरपोरेट देवेंद्र परिहार के आतिथ्य में संपन्न हुआ द्य इस अवसर पर विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने पिट्टू में गेंद मारकर बचपन याद किया। इसी तारतम्य में नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने सबसे पहले अध्यक्ष, सचिव तथा कॉर्पोरेट पदाधिकारी को फूल माला पहनाकर सम्मान किया,इसके बाद पिट्टू खेल का आनंद लिया और कहा कि हमारी उम्र के सभी जनों ने यह खेल खेला है। जिला सचिव जाफर सिद्दीकी ने बताया कि 12 जनवरी से ब्लॉक की ट्रायल होगी इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण से महेंद्र पचलानिया, कोच दीप सिंह ठाकुर, कृष्णा साहू, कुलदीप रघुवंशी, राजू सिकंदर, विनोद लोंगरे, अंश मालवीय के साथ ही इटारसी के नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

पानी की गुणवत्ता में लापरवाही की तो पेनाल्टी लगाई जाएगी

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने राजघाट जल आवर्धन परियोजना के अंतर्गत शहर को प्रदाय किए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने टाटा एवं एमपीयूडीसी के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल शोधन संयंत्र पर किसी भी स्थिति में पानी की शुद्धता से समझौता नहीं किया जाएगा तथा नागरिकों को केवल मानक अनुरूप शुद्ध पेयजल ही उपलब्ध कराया जाए। निगमायुक्त ने कहा कि राजघाट जल शोधन संयंत्र पर पर्याप्त मात्रा में क्लोरीन तथा अन्य आवश्यक रासायनिक सामग्री अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखी जाए, ताकि पानी को निर्धारित मानकों के अनुसार शुद्ध कर आपूर्ति की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जल शोधन की पूरी प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रतिदिन पानी की गुणवत्ता की जांच रिपोर्ट तैयार कर निगम को उपलब्ध कराई जाए। खत्री ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पानी की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा यह विषय अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने जलप्रदाय शाखा के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे समय-समय पर राजघाट जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण करें।

जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रमुख संकल्प: कलेक्टर

सागर। नगर सहित जिले भर में चोरी,लूट, कटरबाजी, अवैध शराब, जुआ सट्टा जैसे अपराधों के बढ़ते ग्राफ से चिंतित जिला प्रशासन ने ठोस कदम उठाते हुए 41 आदतन आरोपियों पर जिला बदल की कार्रवाई की है। कलेक्टर संदीप जी आर ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के 41 आदतन अपराधियों को जिला बादल किया। कलेक्टर ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रथम कर्तव्य है। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे इस लिए आदतन अपराधियों को जिला बदल की कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने बताया कि 41 आदतन अपराधी को जिला बदल किया गया है. प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 10 जनवरी को खुरई आगमन के एक पूर्व बड़ी संख्या में आदतन अपराधियों पर जिला बदल की कार्यवाई करना चर्चा का विषय बन पढ़ी है। बहरहाल देर आए दुरस्त आए की तर्ज़ पर की गई कार्यवाई आम लोगों के लिए सुकून भरी मानी जा सकती है. इस कार्यवाई में सर्वाधिक आदतन अपराधी खुरई, सुरखी और सागर के शामिल हैं बाकि अन्य बांदरी,बंडा, गढ़ाकोटा, केसली, गौरझामर , शाहगढ़ आदि के हैं।

संपूर्ण वेद,पुराणों, शास्त्रों का निचोड़ राम नाम संकीर्तन है: पं.मनोज व्यास

सागर। श्री रामबाग मंदिर में चल रही संगीतमय श्री राम कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित मनोज व्यास मधुर ने कहा कि सांसारिक जीवन के विवादों से पावन श्री राम कथा बचाती है। दुनिया के सभी सुख क्षणिक है. सच्चा सुख भगवान के श्री चरणों में ही मिलता है। रामकथा सुनाते हुए पं.व्यास ने कहा कि गुरु कृपा से दृष्टि मिलती है तभी वह संसार की जड़ वस्तुओं में भी भगवान के दर्शन करने लगता है। उन्होंने अयोध्या की वंदना करते हुए तुलसीदास जी द्वारा भरत और हनुमान जी के वार्तालाप के प्रसंग को सुनाया। तुलसीदास जी लिखते हैं कि ठाकुर जी को निर्मल मन वाले भक्त प्रिय है और यह निर्मल मन जानकी मैया की वंदना से प्राप्त होती है. संपूर्ण वेद,पुराणों, शास्त्रों का निचोड़ राम नाम संकीर्तन है। भगवान के नाम की महिमा यह है कि जब श्री चैतन्य प्रभु नाम जप करते हुए जंगल गुज़रे तो हिंसक वन्यजीव भी नतमस्तक होकर नाचने लगे। कथा के यजमान श्री जी राधे राधे,वीरेंद्र सुहाने,हेमंत सोनी हैं. कथा में अनेक श्रद्धालू धर्म लाभ ले रहे हैं।

सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग हुए शामिल

एक साथ उठीं तीन अर्थियां, पति-पत्नी और बेटी का अंतिम संस्कार

तेंदूखेड़ा /दमोह। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड एक में पति-पत्नी और उनकी डेढ़ साल की बेटी के शव घर में ही फंदे पर लटके मिले थे। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया था। तीनों का अंतिम संस्कार किया गया। पति-पत्नी को एक ही चिता पर मुखाग्नि दी गई, जबकि मासूम बेटी को दफनाया गया।

जानकारी के मुताबिक मनीष केवट (30), पत्नी दसौदा केवट और डेढ़ साल की की बेटी आरोही के साथ तेंदूखेड़ा के वार्ड एक में रहता था। मनीष मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था सुबह जब पति-पत्नी व डेढ़ साल की मासूम की अर्थी एक साथ निकली तो माहौल बेहद भावुक हो गया बड़ी संख्या में समाज और अन्य समाज के लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए हर कोई इस घटना से स्तब्ध था लोगों की आंखों में आसूं थे और जुबान पर कई सवाल। मृतक के घर के पास बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ थी और हर शख्स की आंखें नम थी लोगों ने बताया कि इस घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है।

18 माह की बच्ची आरोही एवं मनीष उसकी पत्नि दसोदा का नगर के वार्ड 5 में पाठघाट मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान केवट समाज के समस्त परिवार के सैकड़ो लोगो ने अंतिम संस्कार मे शामिल होकर तीनों दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही अंतिम संस्कार में शामिल हर व्यक्ति सिर्फ मनीष के लेकर चर्चा करते रहे कि एक सीधे साधे इंसान को जबरजस्ती परेशान कर इतने बड़े कदम को उठाने पर मजबूर कर दिया गया और सम्पूर्ण परिवार ही खत्म हो गया। हालाकि गुरूवार को ही तीनो का लगभग साढे पांच के आस पास डाक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम कर दिया था लेकिन परिजनो ने कहां कि अब शाम हो गई है तो अंतिम संस्कार सुबह किया जाएगा। जिस कारण पुलिस की अभी रक्षा में तीनों के शव अस्पताल के परिसर मे रखवा दिए गए थे और सुबह तीनों के शव परिजनों को सुबह सौपो गए थे। दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतिकीर्ति सोमवंशी ने बताया पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है घटना के पीछे के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

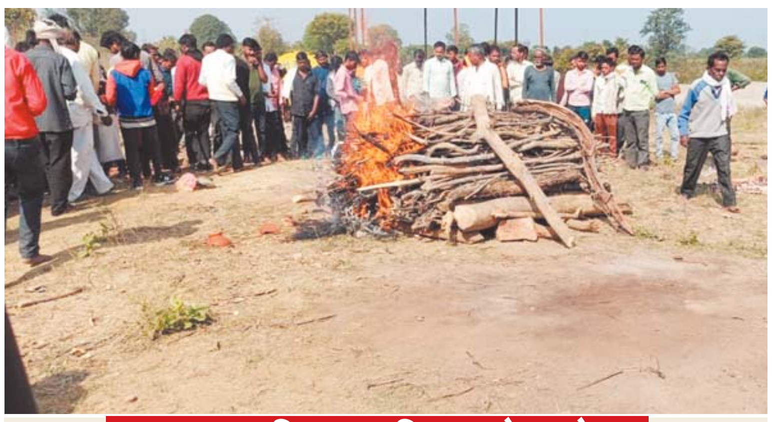

मकान मालिक पर फिर लगे आरोप

ज्ञात हो कि इतनी बड़ी घटना के बाद पूरे केवट मोहल्ला में चर्चा है कि मनीष बहुत सीधा साधा व्यक्ति था जिसे मकान मालिक के द्वारा परेशान किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि मनीष को मकान बैचने के बाद 2 लाख रूपए लिए गए थे सिर्फ 50 हजार रूपए वाकी थे लेकिन अब कई तरह की बात निकलकर सामने आ रही है जिसमें वार्ड के कुछ लोगों ने बताया कि मकान मालिक ने वही मकान किसी और को 3 लाख रूपए में बैच दिया था। जिस कारण मनीष से मकान खाली कराने के लिए दबाव बनाया जा रहा था यहां कि जिसे मकान बेचा था वह भी मकान खाली कराने के लिए दवाब बना रहे थे। जिस कारण मनीष ने इतना बड़ा कदम उठाया है। हालाकि पुलिस मामले की बारीकी से जॉच कर रही है। पुलिस ने तीनों के शव फंदे से उतारने के बाद मकान को सील कर दिया गया। जिसकी फॉरेंसिक साइंस जॉच कराई जाएगी। वहीं मृतिका की बड़ी बहन कविता केवट ने बताया कि मकान मालिक ने 2 लाख रूपए लेने के बाद वह मकान किसी और को 3 या साढे 3 लाख रूपए में बेच दिया था। जिस कारण मकान खाली कराना चाहता था जब मनीष कहता था कि मेरा पैसा वापिस करदो तो मै मकान खाली कर दूगा लेकिन वह पैसा भी नहीं देना चाहता था। इसके अलावा ग्राम अमवाही में मनीष के नाम की जमीन भी पहले उसके परिजनो ने 9 लाख रूपए में बैचदी थी। लेकिन मनीष को एक रूपए भी नहीं मिला था। उनसे भी 50 हजार रूपए मांगता था। लेकिन नहीं मिले

गोल्ड कप फुटबॉल

लघु भारत की झलक बना धनपुरी का सुभाष स्टेडियम, खिलाड़ियों का बढ़ा उत्साह

धनपुरी (शहडोल)। खिलेगा व्यक्तित्व, नशा मुक्त होगा भविष्य इसी सकारात्मक संकल्प के साथ धनपुरी की पावन धरा पर फुटबॉल का महाकुंभ अपनी पूरी भव्यता के साथ जारी है। नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा सुभाष स्टेडियम नंबर-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ने आज न केवल शहडोल संभाग, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में खेल जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस गौरवशाली आयोजन के अवसर पर देपालपुर (इंदौर) के जिला न्यायाधीश और धनपुरी के गौरव हिदायत उल्ला खान ने सात समंदर पार तक गूंजने वाला एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया है। इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्यापकता है। देश के सुदूर क्षेत्र केरल, बंगाल, पंजाब, और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों से आए फुटबॉल खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा से धनपुरी की मिट्टी को महका दिया है। जिला न्यायाधीश खान ने अपने संदेश में विशेष रूप से इन बाहरी राज्यों से आए खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। देश के कोने-कोने से आए हमारे ये अतिथि खिलाड़ी धनपुरी के युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। अपनी जन्मस्थली के प्रति अगाध प्रेम व्यक्त करते हुए खान ने कहा कि भले ही वे न्यायिक दायित्वों के कारण दूर हैं, लेकिन उनके हृदय की धड़कनें धनपुरी के इसी मैदान में बसती हैं। उन्होंने युवाओं को नशे के अंधकार से बचने की चेतावनी देते हुए कहा कि असली हाई नशे के धुएँ में नहीं, बल्कि गोल दागने की खुशी और मैदान की धूल में है। उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं के समक्ष तीन सशक्त जीवन मंत्र रखे। इनमें मैदान चुनिए, नशा नहीं, मेहनत चुनिए, भटकाव नहीं, चरित्र चुनिए, अपराध नहीं, सामाजिक परिवर्तन का वाहक बना आयोजन जिला न्यायाधीश ने समिति और नगर पालिका परिषद की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ही एक अनुशासित और सशक्त समाज का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

जमनजत्ती सिटी फॉरेस्ट: करोड़ों फूंके, 10 माह में एक ट्रांसफॉर्मर तक नहीं लगा पाया विभाग

नमो वन का भी बुरा हाल, केवल दिख रहीं बारकोड पट्टियां बचीं

लखन टांक/धार। दोपहर मेट्रो

हरियाली, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर जिस जमनजत्ती पहाड़ी को सिटी फॉरेस्ट बनाने का ढिंढोरा पीटा गया था, वहां आज सन्नाटा, सूखे गड्ढे और मुरझाए पौधे वन विभाग नाकामी की कहानी सुना रहे हैं। यह पहाड़ी नटनागरा और सीतापाट जैसे दो बड़े तलाबों के बीच स्थित है, फिर भी यहां लगाए गए पौधे पानी के बिना तड़प-तड़प कर मर गए। 10 महीने बीत जाने के बावजूद पहाड़ी पर विद्युत ट्रांसफॉर्मर नहीं लगाया जा सका, जबकि इसी अवधि में प्रवेश द्वार, सड़कें और अन्य दिखावटी अधोसंरचना खड़ी कर दी गई। जब पानी ही ऊपर नहीं पहुंचाना था तो पौधरोपण किस दिखावे के लिए किया गया। कलेक्टर, डीएफओ, सांसद और केंद्रीय मंत्री तक ने यहां पौधे लगाए थे, लेकिन उसके बाद पौधों की सुध लेने वाला कोई नहीं आया। सर्दियों में भी पौधों का सूख जाना इस बात का साफ सबूत है कि यह परियोजना सिर्फ फाइलों तक सीमित थी।

करीब 50 हेक्टेयर पहाड़ी को दो वर्षो में हरित-पर्यटन केंद्र में बदलने की योजना थी। ट्रैकिंग ट्रेल, योग स्थल, बच्चों के खेल क्षेत्र और अध्यात्मिक पर्यटन के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि पुराने झाड़-झंखाड़ों के अलावा नई हरियाली नदारद है। जिन पौधों को भविष्य की नींव बताया गया था, वे पानी के इंतजार में दम तोड़ चुके हैं। प्रशासन की प्राथमिकताएं भी सवालों के घेरे में हैं। एक ओर पौधे सूखते रहे, दूसरी ओर प्रवेश द्वार, सड़क और सजावटी कार्य तेजी से पूरे किए गए। मतलब साफ है हरियाली से ज्यादा महत्व ठेके और निर्माण को दिया गया। इसके साथ ही नीलगायों की बढ़ती संख्या को लेकर भी कोई ठोस योजना नजर नहीं आ रही, जो भविष्य में पर्यटन के लिए बड़ी बाधा बन सकती है।

पहाड़ी के नीचे विकसित किए जा रहे नमो वन की स्थिति भी अलग नहीं है। यहां लगाए गए खाद्य और फलदार पौधे सूख चुके हैं। शिखर पर दरगाह के पास आधुनिक तकनीक के नाम पर लगाई गई बारकोड युक्त पहचान पट्टियां तो मौजूद हैं, लेकिन जिन पौधों की पहचान के लिए वे लगाई गई थीं, वे ही गायब हैं।सिंचाई के नाम पर आधा इंच की पाइपलाइन इस पूरे प्रोजेक्ट की गंभीरता को उजागर करती है। वन विभाग का दावा है कि ट्रांसफॉर्मर के लिए आवेदन कर दिया गया है और पाइप आ चुके हैं।

सड़क हादसे में मजदूरी करने जा रहे पिता की मौत, बेटी घायल

धार। दोपहर मेट्रो

नालछा के समीप ग्राम कागदीपुरा फाटे पर अज्ञात वाहन की टक्कर में एक पुरुष की मौके पर मौत हो गई है। पिता अपनी बेटी के साथ आलू निकालने की मजदूरी के लिए ग्राम सोडपुर से महू के पास ग्राम कुमटी जा रहा था। टक्कर के बाद काफी देर तक पुरुष सड़क पर ही तड़पता रहा और कुछ देर बाद तड़पते-तड़पते दम तोड़ दिया। ग्राम सोड़पुर के रहने वाला गंगाराम भाबर अपनी लड़की पूजा भाबर को लेकर महू के पास ग्राम कुमटी में आलू निकालने की मजदूरी के लिए जा रहा था तभी ग्राम कागदीपुरा फ़ाटे पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में गंगाराम को गंभीर रूप से चोट आई और तड़पते हुए मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूजा को भी चोट लगी है। पूजा ने बताया कि एक यात्री बस ने, मोटरसाइकिल को टक्कर मारी है। 4 दिन पूर्व ही गंगाराम ने नई बाइक खरीदी थी और वह मजदूरी के लिए जा रहा था।

कथा में माता-पिता की सेवा और गोवर्धन लीला का किया वर्णन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक परिसर स्थित पंचवटी धाम में कार्तिक महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का छठवां दिवस कथा व्यास पंडित प्रेम नारायण शास्त्री (वृंदावन धाम, समनापुर) ने माता-पिता की सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि जो संतान अपने माता-पिता की आज्ञा, सेवा और सम्मान को सर्वोपरि मानती है, वही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन करती है। उन्होंने भगवान परशुराम की कथा का भी वर्णन किया। बताया गया कि पिता जमदग्नि ऋषि के आदेश पर भगवान परशुराम ने बिना किसी मोह के अपनी माता रेणुका का सिर काटकर पिता के चरणों में अर्पित किया। पुत्र की इस अद्भुत आज्ञाकारिता से प्रसन्न होकर जमदग्नि ऋषि ने वरदान मांगने को कहा। भगवान परशुराम ने माता को पुनः जीवित करने, उन्हें इस घटना की कोई स्मृति न रहने और जीवन भर माता-पिता की सेवा में तत्पर रहने की शक्ति की कामना की। यह प्रसंग श्रद्धालुओं को आज्ञाकारिता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का वर्णन भी किया गया। पं. शास्त्री ने बताया कि इंद्रदेव के अहंकार और मूसलाधार वर्षा से ब्रजवासियों की रक्षा हेतु भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया। सात दिनों तक ब्रजवासियों, गायों और पशुओं को पर्वत की छांव में सुरक्षित रखा गया। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी को धैर्य रखने का उपदेश दिया और अंततः इंद्रदेव को अपनी भूल का एहसास हुआ। यह लीला भगवान की सर्वशक्तिमत्ता और भक्तवत्सलता का अनुपम उदाहरण है। कार्तिक मास में गोपियों के वस्त्र-हरण (चीरहरण) प्रसंग का भी कथा में उल्लेख किया गया। यमुना तट पर स्नान करती गोपियों के वस्त्र उठाकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अहंकार त्याग, पूर्ण भक्ति और तन-मन-धन के समर्पण का संदेश दिया। यह लीला निष्काम भक्ति का प्रतीक है। साथ ही रुक्मणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मणी भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। भाई रुक्मी के विरोध के बावजूद श्रीकृष्ण ने रुक्मणी का उद्धार कर उनसे विधिवत विवाह किया।

सड़क किनारे नवजात का अंतिम संस्कार

सीहोर। जिले के भैरुंदा में एक पिता को अपनी लाड़ली का अंतिम संस्कार सड़क किनारे खुले आसमान के नीचे करना पड़ा, क्योंकि उसे अस्पताल से घर तक शव ले जाने के लिए न सहानुभूति मिली और न ही सहारा। भैरुंदा निवासी संतोष जाट ने अपनी गर्भवती पत्नी ममता को बड़े अरमानों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया था। 30 दिसंबर को भैरुंदा से रेफर किए जाने के बाद 2 जनवरी को जिला अस्पताल में ममता ने एक नन्ही बेटी को जन्म दिया। घर में किलकारी गूंजी ही थी कि नियति ने क्रूर खेल खेल दिया। संतोष का आरोप है कि, अस्पताल स्टाफ की घोर लापरवाही और इलाज में ढिलाई के कारण 48 घंटे के भीतर ही उनकी मासूम बच्ची ने दम तोड़ दिया। पीड़ित पिता का कहना है कि, अगर समय पर डॉक्टर और जीवन रक्षक उपकरण मिलते तो आज उनकी गोद सूनी न होती। सिस्टम की संवेदनहीनता का सबसे भयावह चेहरा तब दिखा जब बच्ची की मौत के बाद बेबस पिता को शव ले जाने के लिए उचित साधन तक नहीं मिला।

बदलाव: रायपुर-जबलपुर ट्रेन बनी 'मूकमाटी एक्सप्रेस'

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया के अथक प्रयासों से जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 11701/11702) का नाम अब 'मूकमाटी एक्सप्रेस' कर दिया गया। यह बदलाव जैन धर्म के महान आचार्य विद्यासागर जी महाराज की स्मृति और उनकी विश्वविख्यात रचना 'मूकमाटी' को समर्पित है। रेल मंत्रालय के आदेश से यह फैसला लागू हो गया। बता दे कि संसद के शीतकालीन सत्र में शून्यकाल के दौरान सांसद नारोलिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष प्रस्ताव रखा। उन्होंने ट्रेन का नाम आचार्य जी या उनकी पुस्तक 'मूकमाटी' पर रखने की मांग की थी। मंत्री के निर्देश पर मंत्रालय ने इसे स्वीकार किया। रेल मंत्रालय ने कहा कि आचार्य जी ने देश की आध्यात्मिक चेतना को नई दिशा दी। सामाजिक परिवर्तन, नैतिक मूल्य स्थापना और भारतीय संस्कृति संरक्षण में उनका अतुलनीय योगदान रहा। श्रीमती नारोलिया कि मांग पर रेल मंत्रालय द्वारा लिये गए फैसले से जैन समाज, श्रद्धालु और संगठनों में उत्साह छा गया। कई संस्थाओं ने सांसद नारोलिया को बधाई दी। उन्होंने कहा यह नामकरण आचार्य जी की तपस्या और विचारों का सम्मान है, जो नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

मेट्रो एंकर

अधिनियम से रोजगार की वैधानिक गारंटी 125 दिनों तक बढ़ी

ग्रामीण विकास के लिए कारगर सिद्ध होगी जी राम जी योजना: पटेल

सागर। दोपहर मेट्रो

ग्रामीण विकास के लिए कारगर सिद्ध होगी जी राम जी योजना, मजदूरों की महंगाई वृद्धि के अनुसार वेतन वृद्धि होगी, मजदूरों के लिए पर्याप्त मजदूरी उपलब्ध होगी किसानों को नुकसान नहीं होगा, जी राम जी योजना रोजगार के अवसर प्रदान के साथ अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी, अधिनियम से रोज़गार की वैधानिक गारंटी 125 दिनों तक बढ़ी, भविष्य की अगुवाई पंचायतें करेंगी एवं योजना बनाने की शक्ति ग्राम सभा और पंचायतों के पास होगी। उक्त बातें पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने सागर में जी राम जी योजना के संबंध में जानकारी देते हुए व्यक्त कीं। इस अवसर पर विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, महापौर संगीता सुशील तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, श्याम तिवारी, वृन्दावन अहिरवार, श्रीकांत जैन, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, जनपद सीईओ भूपेन्द्र अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने जी राम जी योजना के संबंध में बताया कि यह योजना ग्रामीण रोज़गार नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाता है और सशक्तिकरण, समावेशी विकास, योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) तथा परिपूर्ण (सेचूरेशन) तरीके से सेवादृप्रदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है, जिससे समृद्ध, सक्षम और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से सशक्तिकरण, विकास, कन्वर्जेंस और परिपूर्णता (सेचूरेशन) के सिद्धांतों पर आधारित यह अधिनियम ग्रामीण रोज़गार को केवल एक कल्याणकारी योजना से आगे बढ़ाकर विकास का एक एकीकृत माध्यम बनाता है। यह ग्रामीण परिवारों की आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है, शासन और जवाबदेही को आधुनिक बनाता है तथा मज़दूरी रोज़गार को टिकाऊ और उत्पादक ग्रामीण परिसंपत्तियों के सृजन से जोड़ता है, जिससे समृद्ध एवं सक्षम ग्रामीण भारत की नींव और अधिक मजबूत होती है। यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों। यह अधिनियम मज़दूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य की समाप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर किए जाने को अनिवार्य करता है।उन्होंने कहा कि विकसित भारत - रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025, विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरुप भारत की ग्रामीण रोज़गार व्यवस्था को नया और मज़बूत रूप प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

WPL-2026 का पहला डबल हेडर आज

दिन के पहले मैच में जीटी और यूपी वॉरियर्ज की टीमें होंगी आमने-सामने

नई दिल्ली , एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग का चौथा सीजन 9 जनवरी से शुरू हो गया है। आज लीग में डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे, यानी एक ही दिन में दो मैच होंगे। दिन के पहले मैच में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्ज की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला दोपहर 3:00 बजे डीवाई पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें जीत के साथ अपने सीजन की शुरुआत करना चाहेंगी। साथ ही दोनों का लक्ष्य इस सीजन में अपना पहला खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम रखना होगा।

मेग लैनिंग यूपी की नई कप्तान

यूपी वॉरियर्स की टीम इस सीजन नई कप्तान मेग लैनिंग पर काफी भरोसा करेगी। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन सीजन तक फाइनल में पहुंची थी, जिससे उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें होंगी। वहीं गुजरात जायंट्स की टीम ने दो खराब सीजन के बाद पिछले सीजन में प्लेऑफ तक का सफर तय किया था। एश्ले गार्डनर की कप्तानी में गुजरात के पास मजबूत विदेशी खिलाड़ियों का कोर है, जो टीम को मजबूती देता है।

हेड टु हेड में बराबरी का मुकाबला गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के बीच अब तक विमेंस प्रीमियर लीग में कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इन मैचों में दोनों टीमों का प्रदर्शन बराबरी का रहा है। गुजरात जायंट्स ने 3 मैच जीते हैं, जबकि यूपी वॉरियर्स को भी 3 मुकाबलों में जीत मिली है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच का मुकाबला हमेशा कड़ा और रोमांचक रहने की उम्मीद रहती है।

यूपीडब्ल्यू में दीप्ति-सोफी की भूमिका बेहद अहम

डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स की सफलता में दीप्ति शर्मा और सोफी एक्लेस्टोन की भूमिका बेहद अहम रही है। बल्लेबाजी में दीप्ति शर्मा ने 25 मैचों में 507 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 88 रन रहा है। उनका स्ट्राइक रेट 117.63 का रहा है, जो टीम को मजबूत शुरुआत और जरूरी समय पर रन दिलाने में मदद करता है। वहीं गेंदबाजी में सोफी एक्लेस्टोन यूपी की सबसे भरोसेमंद गेंदबाज रही हैं। उन्होंने 25 मैचों में 36 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 विकेट 13 रन देकर रहा है। 6.68 की शानदार इकॉनमी के साथ एक्लेस्टोन विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाती रही हैं। गार्डनर गुजरात जायंट्स की सबसे बड़ी ताकत विमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स की सबसे बड़ी ताकत एश्ले गार्डनर रही हैं। बल्लेबाजी में गार्डनर ने 25 मैचों में 567 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 79 रन रहा है। 141.75 के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ उन्होंने कई मौकों पर टीम को तेज रन दिए हैं। वहीं गेंदबाजी में भी गार्डनर ने अहम योगदान दिया है।

डब्ल्यूपीएल की ओपनिंग सेरेमनी में हनी सिंह का धांसू परफॉर्मेंस, जैकलीन फर्नांडीस-हरनाज संधू ने भी लूटी महफिल

नवी मुंबई। महिला प्रीमियर लीग 2026 का शुक्रवार को आगाज हो गया है। शुरुआती मैच स्टार्ट होने से पहले नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में ओपिंग सेरेमनी हुई। ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस, पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू के साथ-साथ रैपर यो यो हनी सिह ने परफॉर्म किया।

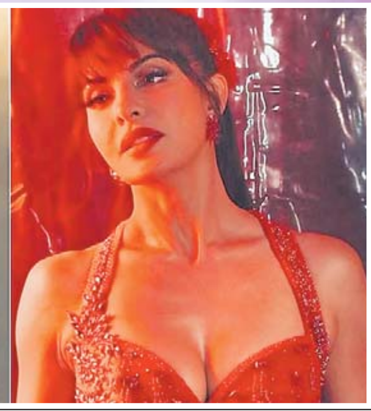

हरनाज को देखकर झूम उठा स्टेडियम

जब हरनाज संधू पहले परफॉर्मर के तौर पर स्टेज पर उतरीं, तो पूरा स्टेडियम उनकी हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस से झूम उठा। ग्लैमर, एनर्जी और स्टार पावर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन पेश करते हुए हरनाज ने ओपनिंग नाइट को यादगार बना दिया। इसके बाद जैकलीन फर्नांडीस ने माहौल को आग लगा दी, जैकलीन ने अपनी इलेक्ट्रिफाइंग डांस मूव्स और मैग्नेटिक स्टेज प्रेजेंस से दर्शकों को दीवाना बना दिया।

भारतीय टीम में चुने गए खिलाड़ियों का विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन

सूर्या फ्लॉप, रिंकू सिंह का जलवा, ऑलराउंडर सेक्शन में हार्दिक, अभिषेक और अक्षर चमके

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है और फैंस की नजरें उन खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म पर टिकी हुई हैं, जो इस बड़े टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। ऐसे में विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 का प्रदर्शन उनके फॉर्म का एक अहम संकेत देता है। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, कुछ खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया तो कुछ उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। बीसीसीआई ने इस सीजन से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों के लिए कम से कम दो घरेलू मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी नियम के तहत विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी घरेलू क्रिकेट का रुख किया था। आमतौर पर इंटरनेशनल मैचों में महंगे टिकट के कारण कई फैंस स्टेडियम नहीं जा पाते, ऐसे में घरेलू क्रिकेट में इन सितारों को खेलते देखना एक दुर्लभ मौका मिला। टीम इंडिया में चुने गए 15 में से 14 खिलाड़ियों ने विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया। टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने विजय हजारे में सिर्फ दो मैच खेले, लेकिन फॉर्म टेस्टिंग में वह फेल साबित हुए। हिमाचल के खिलाफ 24 और पंजाब के खिलाफ 15 रन उनकी बैटिंग का हिस्सा रहे। वहीं, तिलक वर्मा ने चंडीगढ़ के खिलाफ शानदार 109 रन जड़े और फिर बंगाल के खिलाफ 34 रन बनाकर निरंतरता दिखाई। तिलक की स्थिरता भारत के मिडिल ऑर्डर के लिए राहतभरी खबर है। हालांकि, वह चोटिल हो गए हैं और टी20 विश्व कप में उनके खेलने पर संशय है। विजय हजारे में लगी चोट की वजह से उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ा है।

शिवम दुबे ने हिमाचल के खिलाफ झटके 4 विकेट

रिंकू सिंह का जलवा जारी
भारत के भरोसेमंद फिनिशर रिंकू सिंह ने विजय हजारे टूर्नामेंट में एक बार फिर अपनी क्लास साबित की। हैदराबाद के खिलाफ 67, चंडीगढ़ के खिलाफ 106*, बड़ौदा के खिलाफ 63, असम के खिलाफ 37*, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 41, विदर्भ के खिलाफ 57* और बंगाल के खिलाफ 37* जैसी पारियों ने उनका रिपोर्ट कार्ड बेहद प्रभावी बना दिया। यह स्पष्ट है कि रिंकू टी20 विश्व कप में भारत का ट्रम्प कार्ड साबित हो सकते हैं। अभिषेक शर्मा ने महाराष्ट्र के खिलाफ 48 रन बनाए और एक विकेट लिया, उत्तराखंड के खिलाफ 30 रन बनाए और दो विकेट लिया ऐसे में दोनों विभागों में उनका प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन फिर मुंबई के खिलाफ वह आठ रन ही बना पाए और एक ओवर में 30 रन खर्च किए। हालांकि, टी20 विश्व कप में वह टीम इंडिया के सबसे अहम खिलाड़ी होंगे। हार्दिक पांड्या, जो लंबे समय बाद भारतीय टीम में लौट रहे हैं, ने विदर्भ के खिलाफ 133 रन बनाए और एक विकेट लिया। इसके बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 75 रन बनाए और तीन विकेट झटके। उनकी वापसी टीम बैलेंस के लिहाज से अहम है। शिवम दुबे ने हिमाचल के खिलाफ 68/4 लेकर गेंदबाजी से झटका दिया और पंजाब के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी बहुमुखी क्षमता दिखाई। हालांकि, उनका बैटिंग फॉर्म चिंता का विषय है। अक्षर पटेल ने आंध्र के खिलाफ 130 रन बनाए और दो विकेट भी झटके, जबकि ओडिशा के खिलाफ 73 रन बनाकर चयन को सही साबित किया। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर ने राजस्थान और त्रिपुरा के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों से खराब योगदान दिया। भारतीय पिच को देखते हुए सुंदर का अच्छा खेलना बेहद अहम होगा।

स्पिन और पेस यूनिट वेरिएशन से भरा अटैक

वरुण चक्रवर्ती ने राजस्थान व त्रिपुरा के खिलाफ क्रमशः चार और दो विकेट लिए।

कुलदीप यादव ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ दो विकेट और विदर्भ के खिलाफ तीन विकेट चटकाए।

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सिक्किम के खिलाफ पांच विकेट और गोवा के खिलाफ दो विकेट लेकर फॉर्म बरकरार रखा।

जसप्रीत बुमराह इस दौरान नहीं खेले, लेकिन उनकी राष्ट्रीय स्तर पर फिटनेस और अनुभव टीम के लिए बड़ी ताकत है।

हर्षित राणा ने सर्विसेस के खिलाफ चार और रेलवे के खिलाफ एक विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है।

तमीम की वॉर्निंग...

भीड़ में मत बहिए, बांग्लादेश क्रिकेट का भविष्य दांव पर है

ढाका। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल की आवाज इस बार सिर्फ एक क्रिकेटर की नहीं, बल्कि उस इंसान की थी जिसे अपने देश और उसके क्रिकेट के भविष्य की गहरी चिंता है। उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से भावुक अपील की कि अगले महीने भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भागीदारी पर फैसला जज्बातों के बहाव में ना लिया जाए, क्योंकि ऐसे फैसलों का असर आज नहीं, आने वाले दस सालों तक महसूस किया जाएगा। इसे सिर्फ अपील नहीं, उनका सख्त संदेश भी माना जा सकता है। 7 फरवरी से शुरू होने वाले वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत जाने में हिचक दिखाई है और अपने मैच सह-मेजबान श्रीलंका में कराने की मांग रखी है। ये वही समय था जब मुस्ताफिजुर रहमान को हिंदुओं पर हमलों की पृष्ठभूमि में बीसीसीआई के निर्देश पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया और यह सब बांग्लादेशी क्रिकेट जगत के दिलों में बेचैनी और असुरक्षा का भाव बढ़ाता गया। स्थिति पर बात करते हुए तमीम ने 'क्रिकबज' से कहा, आज माहौल नाजुक है। इतने संवेदनशील वक्त में अचानक कोई बयान देना आसान नहीं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पवन सिंह की तीसरी पत्नी बनी हसीना?

एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर छाए पावर स्टार, मिस्ट्री बना रिश्ता

पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने रिलेशनशिप्स को लेकर सुर्खियों में हैं। पवन सिंह के 40वें बर्थडे पर भोजपुरी हसीना महिमा सिंह मांग में सिंदूर भरे उनके संग नजर आईं। सोशल मीडिया पर पवन सिंह के साथ महिमा की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं। लोग इंटरनेट पर महिमा के बारे में रिसर्च कर रहे हैं। ये भी कहा जा रहा है कि पवन सिंह ने महिमा से तीसरी शादी कर ली है। अब इस बात में कितनी सच्चाई है, ये तो पता नहीं, लेकिन हां इस कहानी में नया ट्विस्ट आ गया है। पवन सिंह के बर्थडे के बाद से ही लोगों ने महिमा सिंह के बारे में जानना शुरू किया। जब उनका इंस्टाग्राम देखा गया, तो उसमें उनकी कई पर्सनल तस्वीरें थीं। उन्होंने पवन सिंह के साथ फिल्म और म्यूजिक वीडियो का पोस्टर भी शेयर किया था। तस्वीरों और वीडियो से भरा महिमा का अकाउंट ठीक वैसे ही दिख रहा था, जैसे किसी एक्ट्रेस का दिखना चाहिए। लेकिन जैसे ही पवन सिंह के साथ उनका नाम जोड़ा गया। उन्होंने इंस्टाग्राम से सारे वीडियोज और फोटोज हटा दिए। अब उनकी प्रोफाइल में सिर्फ 6 पोस्ट हैं, जो पवन सिंह से रिलेटेड हैं। यहां तक कि महिमा की डीपी भी पवन सिंह के साथ लगी हुई दिखी। महिमा के इंस्टाग्राम में जिस तरह पवन सिंह छाए हुए हैं, उसे देखकर लगता है कि दाल में कुछ काला है।

महिमा सिंह ने हटाईं तस्वीरें

पवन सिंह और महिमा दोनों ही अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी बनाए हुए हैं। लेकिन इनकी तस्वीरें कुछ और ही गवाही दे रही हैं। फैन्स की नजरों में पवन सिंह और महिमा का रिश्ता मिस्ट्री बन चुका है। क्योंकि आज तक कोई भी एक्ट्रेस पवन सिंह की पार्टी में इस तरह नहीं छाई है। ना ही किसी ने पवन सिंह के साथ डीपी लगाई है। पर इतना जरूर कहा जा सकता है कि इनका रिश्ता प्रोफेशनल फ्रंट से कई ज्यादा है। पवन सिंह की तीसरी शादी को लेकर उनके चाचा धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि शादी गुड्डे-गुड़ियों का खेल नहीं है। अभी उनका तलाक केस कोर्ट में है। एक-दो महीने रुक जाइए शहनाई बजेगी। चाचा ने हिंट दे दिया कि पवन सिंह की तीसरी शादी होगी और धूमधाम से होगी।

छोटे-से शॉर्ट्स पहन 44 बरस की अंगूरी भाभी ने लगाई आग, कंधे से गिरता टॉप बढ़ा गया ग्लैमर

भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी बनकर लोगों का दिल जीतने वाली शुभांगी अत्रे किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वह 10 साल तक छोटे पर्दे पर भाभी जी बनीं और लोगों के चेहरे पर मुस्कान ले आईं। अब वह शो छोड़ चुकी हैं, तो अपने स्टाइल को लेकर चर्चा में छा गईं। यूं तो सीरियल में भी साड़ी पहनी शुभांगी की खूबसूरती पर सबका दिल आ जाता था, लेकिन रियल लाइफ में वह बेहद ग्लैमरस हैं। तभी तो उनकी तस्वीरें आए दिन वायरल हो जाती हैं। अब 44 साल की हसीना ने छोटे- से शॉर्ट्स में अपना कातिलाना रूप दिखाया है। जहां उनकी सिजलिंग अदाओं से नजरें ही नहीं हटीं। हसीना ने इतने उम्दा तरीके से अपने वेस्टर्न लुक को स्टाइल किया कि कोई उन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता कि वह 22 साल की बेटी की मम्मी हैं। फिटनेस हो या चेहरे पर नूर, शुभांगी हर चीज में अव्वल रहीं और यही वजह भी है कि वह लोग उन्हें बेशुमार प्यार दे रहे हैं। टीवी पर देसी लुक्स से लोगों का दिल जीतने वाली शुभांगी का यहां बेहद ग्लैमरस रूप देखने को मिल रहा है। उन्होंने इस बार ड्रेस या गाउन नहीं, बल्कि छोटे- से शॉर्ट्स पहनकर हॉटनेस का तड़का लगाया। जहां उनकी अदाएं और मदहोश होकर डांस करने वाला अंदाज देखते ही बना। न सिर्फ वह अपने फैशनेबल रूप से छा गईं, बल्कि उनके कातिलाना पोज से भी नजरें नहीं हटीं।

मेट्रो बाजार

बीसीसीएल के आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड यानी बीसीसीएल के आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। आईपीओ खुलने के महज कुछ ही मिनटों में इसे पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया गया। सभी कैटेगरी के निवेशकों ने बीसीसीएल के शेयरों में रुचि दिखाई है। एनएसई के 11.15 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार आईपीओ में प्रस्तावित 34,69,46,500 शेयरों के मुकाबले करीब 2.43 गुना बोलियां लगीं। निवेशकों की ओर से 84,15,46,800 शेयरों के लिए बोलियां लगाई गई। गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से ऑफर को करीब 3.79 गुना तक सब्सक्राइब किया गया। वहीं, खुदरा निवेशकों के सेगमेंट में 3.35 गुना अधिक बोली लगी। योग्य संस्थागत खरीदरों यानी क्यूआईबी सेगमेंट में एक प्रतिशत सबक्रिप्शन मिला। बीसीसीएल ने इससे पहले गुरुवार को बताया था कि उसने एंकर निवेशकों से पहले ही 273 करोड़ रुपये हासिल कर लिए हैं। कंपनी का 1071 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 जनवरी को बंद हो रहा है। ओएफएस के जरिए लाए गए इस आईपीओ के लिए 21 से 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के लिए कंपनी का मूल्यांकन 10,700 करोड़ आंका गया है। कंपनी ने आईपीओ के लिए अपने मसौदे (रेड हेयरिंग प्रास्पेक्टस) में बताया है कि यह सार्वजनिक निर्गम पूरी तौर पर ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के तहत लाया गया है। इसके जरिए कोल इंडिया अपने 45.57 करोड़ के शेयरों की बिक्री कर रही है।

नियामक की कार्रवाई का मकसद किसी को सजा देना नहीं, आरबीआई गवर्नर की दो टूक

नई दिल्ली। बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक और सहयोग भरे नजरिए की वकालत की है। मुंबई में कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स के तीसरे वार्षिक वैश्विक सम्मेलन में बोलते हुए, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ किया कि नियामक की ओर से की गई कार्रवाई सबसे प्रभावी तब होती है जब बैंक और अन्य विनियमित संस्थाएं पर्यवेक्षकों को गलतियां निकालने वाले इंस्पेक्टर नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखें।

आरबीआई गवर्नर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय वित्तीय प्रणाली में बैंकों की भूमिका वित्तीय मध्यस्थता और समावेशी विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गवर्नर ने जोर देकर कहा कि भारत जैसे देश के लिए नियामक और बैंकों के बीच सहयोग वाले नजरिए की केवल जरूरत नहीं है, बल्कि यह अनिवार्य है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि अक्सर केंद्रीय बैंक की ओर से की जाने वाली सख्त कार्रवाई के बारे में बाजार में आशंकाएं बनी रहती हैं। इस पर स्थिति साफ करते हुए गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक की ओर से की जाने वाली प्रवर्तन कार्रवाइयों का मकसद आमतौर पर बैंकों को सजा देना नहीं होता है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य इरादा सुधार करना होता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, इन कार्रवाइयों के दो मुख्य उद्देश्य होते हैं। पहला जिन संस्थाओं के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उन्हें संकेत देना और दूसरा, अन्य संस्थाओं को स्वीकार्य मानकों और नियामक की अपेक्षाओं के प्रति जागरूक करना। गवर्नर के अनुसार, आरबीआई मानता है कि पर्यवेक्षण का काम केवल मौजूदा नियमों को लागू करना नहीं है, बल्कि यह नियामकीय कमी और गड़बड़ियों को पहचानकर नियमों को और बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

ईरान सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में बढ़ी हिंसा

खामेनेई ने चलवाई प्रदर्शनकारियों पर गोलियां, अब तक 217 की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में हिंसा बढ़ गई है। प्रदर्शन उग्र होता देख ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने का आदेश दे दिया। इस गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।

दरअसल, एक स्थानीय डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज हुई है। इसमें अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। प्रदर्शनकारियों के मौत को लेकर स्थानीय डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में अधिकतर युवा थे, जिनमें उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर मशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग करने के दौरान मारे गए कई लोग शामिल थे। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, वाशिंगटन डीसी स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी, जो सिर्फ पहचाने गए पीड़ितों की गिनती करती है, उसने विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत से अब तक कम से कम 63 मौतों की पुष्टि की है।

गोली लग जाए, तो शिकायत मत करना...

इधर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने ट्रंप पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस्लामिक गणराज्य ट्रंप को 'खुश करने' की कोशिश करने वाले उपद्रवियों के सामने नहीं झुकेगा। इसी दौरान ईरान सरकार ने घोषणा की कि प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा का सामना करना पड़ सकता है। सरकारी टेलीविजन पर, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक अधिकारी ने माता-पिता को चेतावनी दी कि वे अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें और कहा, 'अगर... गोली लग जाए, तो शिकायत मत करना।'

इंटरनेट और फोन कनेक्शन पूरी तरह बंद

अगर मृतकों की संख्या की सही पुष्टि हो जाती है, तो यह उस आशंका को उजागर कर देगा, जिसमें गुरुवार रात से देश भर में इंटरनेट और फोन कनेक्शन लगभग पूरी तरह बंद करने से मिल रहा है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी चुनौती होगी, क्योंकि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि सरकार 28 दिसंबर से सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारियों को मारती है, तो उसे इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

ट्रंप भी दे चुके हैं चेतावनी

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को खुलेस चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर ईरान गोली चलाता है और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, जो कि उनका रिवाज है। तो अमेरिका उन्हें बचाने आएगा। हम तैयार है।'

इसलिए हो रहे है ईरान में प्रदर्शन

गौरतलब है कि ईरान में महंगाई, गिरती मुद्रा और आर्थिक बदहाली के खिलाफ पब्लिक भड़की है और प्रदर्शन चल रहा है। यह प्रदर्शन ईरान के लगभग सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं। प्रदर्शन के बीच ट्रंप की धमकी ने हालात और तनावपूर्ण बना दिए हैं। इधर ईरान ने भी सख्ती के संकेत दिए हैं।

न्यूज विंडो

रोहिणी आचार्य का फिर छलका दर्द, 'अपने-परायों' का किया जिक्र

पटना। लालू प्रसाद यादव के परिवार में शुरू हुई कलह कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए घर छोड़ दिया था। उन्होंने खुद के साथ मारपीट किए जाने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं अब एक बार फिर रोहिणी आचार्य दर्द सामने आया है। रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए अपने और परायों की बात कही है। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि एक बड़ी विरासत को तहस-नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती है। रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा, 'बड़ी शिद्दत से बनायी और खड़ी की गयी 'बड़ी विरासत' को तहस-नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती। 'अपने' और अपनों के चंद षड्यंत्रकारी 'नए बने अपने' ही काफी होते हैं। हैरानी तो तब होती है, जब 'जिसकी' वजह से पहचान होती है, जिसकी वजह से वजूद होता है, उस पहचान, उस वजूद के निशान को बहकावे में आ कर मिटाने और हटाने पर 'अपने' ही आमादा हो जाते हैं। जब विवेक पर पर्दा पड़ जाता है, अहंकार सिर पर चढ़ जाता है... तब 'विनाशक' ही आंख-नाक और कान बन बुद्धि-विवेक हर लेता है।'

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

प्रयागराज। बौड़ई मोड़ स्थित नहर किनारे सुबह वाहन चेकिंग के दौरान फूलपुर पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इसमें एक बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से तमंचा कारतूस और बम बरामद किया गया है। दोनों ने पिछले दिनों फूलपुर में सर्राफा कारोबारी के पुत्र पर जानलेवा हमला किया था।बौड़ई मोड़ के पास पुलिस ने बाइक सवार दो लोगों को रुकने का इशारा करने पर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे, जिस पर पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर अपने आप को घिरता देख संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस बल पर फायरिंग की गयी। पुलिस द्वारा अपने आत्मरक्षार्थ फायरिंग में मुठभेड़ के दौरान बदमाशों में से एक के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ करने पर घायल अभियुक्त ने अपना नाम आजम राईन निवासी जमीलाबाद कस्बा थाना फूलपुर तथा दूसरे बदमाश ने अपना नाम मो. सुहैल निवासी ग्राम सराय अब्दुल मलिक थाना फूलपुर बताया।

ग्रीनलैंड मामले पर डेनमार्क ने मांगा भारत का सपोर्ट

कोपेनहेगन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ग्रीनलैंड पर अपना दावा फिर से तेज कर दिया है, जिसके बाद डेनमार्क में हड़कंप मच गया है। बता दें कि ग्रीनलैंड आर्कटिक में स्थित एक स्ट्रैटेजिक आईलैंड है और यह डेनमार्क का सेमी-ऑटोनॉमस क्षेत्र है। यह पूरा इलाका दुर्लभ खनिज, यूरेनियम और आयरन जैसे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। ट्रंप ने 2019 में भी इस द्वीप को खरीदने की पेशकश की थी, लेकिन डेनमार्क ने साफ कह दिया था कि वह इसे किसी भी कीमत पर नहीं बेचेगा। ग्रीनलैंड को जबरन कब्जाने की धमकियों के बीच डेनमार्क के एक सांसद ने इस मामले में भारत का समर्थन मांगा है। बता दें कि वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर फिर से दबाव बढ़ा दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा है कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है, और अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य बल का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा है कि अगर डेनमार्क प्यार से माना तो ठीक, वरना अमेरिका जबरन इस द्वीप पर कब्जा करेगा।

संयुक्त घोषणापत्र जारी: मुफ्त में मेट्रो-बस की सवारी, प्रॉपर्टी टैक्स में छूट...

अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले एक ही मंच आए नजर, लगाई तोहफों की झड़ी

पुणे, एजेंसी

एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने आज पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है।

इस अवसर पर अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है। इस संयुक्त घोषणापत्र के माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं। वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी।

पुणे घोषणापत्र के मुख्य वादे

निःशुल्क मेट्रो और बस सेवाएं- पुणे के सभी नागरिकों को निःशुल्क मेट्रो और पीएमपीएमएल बस यात्रा मिलेगी, जिससे दैनिक आवागमन सुरक्षित, किफायती और आसान हो जाएगा। साथ ही सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी और फीडर बस सेवाओं में सुधार किया जाएगा।

जल आपूर्ति एवं प्रबंधन: सभी 41 वार्डों में नलों के माध्यम से रोजाना हाई प्रेशर वाला जल आपूर्ति; निर्धारित समय सारणी का सख्ती से पालन किया जाएगा। टैंकर माफिया पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके साथ ही क्विक रिस्पॉन्स मरम्मत टीमों के साथ सेंसर आधारित जीरो रिसाव जल नेटवर्क की सुविधा होगी।

सड़कें और संपर्क: 33 अधूरी सड़कों और 15 प्रमुख सड़कों (150 किमी से अधिक) का नवीनीकरण होगा। दो साल के अंदर प्रमुख संपर्क सड़कों और आंतरिक रिंग रोड का निर्माण पूरा करना. सख्त रखरखाव प्रोटोकॉल का पालन होगा, जिसमें 72 घंटों के भीतर गड्ढे भरना; देरी करने पर ठेकेदारों पर जुर्माने का प्रावधान होगा।

राम पथ से मांस की दुकानें साफ-प्रशासन का बड़ा एक्शन

'नो-नॉनवेज अलर्ट', राम मंदिर से 15 किमी. तक मीट डिलीवरी बैन

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राम नगरी अयोध्या में अब राम मंदिर के आसपास 15 किलोमीटर के दायरे में मांसाहारी भोजन की बिक्री और होम डिलीवरी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिला प्रशासन ने यह फैसला धार्मिक मर्यादाओं और पवित्रता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया है। प्रशासन को पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि पंचकोसी परिक्रमा क्षेत्र और राम मंदिर के आसपास ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप्स के जरिए नॉन-वेज खाना पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा कई होटलों और होम-स्टे में मांसाहारी भोजन और शराब परोसे जाने की भी शिकायतें आई थीं।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों पर भी रोक: सहायक खाद्य आयुक्त मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि शिकायतों के बाद प्रशासन ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से नॉन-वेज भोजन की डिलीवरी पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि सभी होटल, ढाबों, दुकानदारों और फूड डिलीवरी कंपनियों को इस बारे में लिखित सूचना दे दी गई है। नियमों का पालन कराने के लिए लगातार निगरानी की जाएगी और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी।

धार्मिक पहचान बनाए रखने के लिए फैसला

प्रशासन का कहना है कि अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था। अब राम मंदिर और पंचकोसी परिक्रमा क्षेत्र के भीतर किसी भी तरह का मांसाहारी भोजन या शराब न बेची जाए, इसके लिए सख्ती से नियम लागू किए जाएंगे। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

बांग्लादेश हिंसा: सांसद ने जताई नाराजगी, कहा-

'हिंदुओं की हत्या अस्वीकार्य है'

लंदन: ब्रिटेन की सांसद और विदेश, कॉमनवेल्थ और विकास मामलों की शैडो सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, प्रीति पटेल ने बांग्लादेश की स्थिति को चिंताजनक और परेशान करने वाला बताया है। उन्होंने दक्षिण एशियाई देश में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने की अपील करते हुए ब्रिटेन सरकार से आग्रह किया कि, वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर बांग्लादेश में स्थिरता लाने और ऐसे भविष्य के लिए काम करे, जहां धार्मिक स्वतंत्रता सुरक्षित हो और हिंदू सुरक्षित रहें।

ब्रिटेन के विदेश सचिव को लिखा पत्र: ब्रिटेन के विदेश सचिव को लिखे एक पत्र में, पटेल ने कहा कि 18 दिनों की अवधि में कम से कम 6 हिंदुओं के मारे जाने की खबरें आई हैं। उन्होंने इस स्तर के उत्पीड़न और हिंसा को अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने याद दिलाया कि दिसंबर 2024 में तत्कालीन इंडो-पैसिफिक मंत्री ने कहा था कि उन्होंने बांग्लादेश का दौरा किया था और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की थी। पटेल ने ब्रिटेन सरकार से पूछा कि पिछले कुछ हफ्तों में हिंसा में मौजूद बढ़ोतरी पर चर्चा करने के लिए उन्होंने बांग्लादेश के अधिकारियों से क्या सीधा संपर्क किया है।

जम गई डल झील, सफेद चादर में लिपटी घाटी

जम्मू, एजेंसी। उत्तर भारत के साथ पूरे हिमालयी क्षेत्र में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। कश्मीर घाटी और लद्दाख में तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे गिर जाने की वजह से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, श्रीनगर में बीती रात इस सीजन की सबसे ठंडी रातों में से एक रही, जबकि लद्दाख का द्रास इलाका देश का सबसे ठंडा स्थान बना हुआ है। लगातार लुढ़कते पारे की वजह से कश्मीर घाटी के अलग-अलग हिस्सों में जल निकाय और जलधाराएं जमने लगी हैं।

मेट्रो एंकर

ट्रंप और मोदी के बीच बातचीत हुई या नहीं... बयानों पर बवाल

दूतावासों के बीच संपर्क के साथ होती है दो देशों के शीर्ष नेताओं में बात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच टकराव कायम है। वजह है टैरिफ और ट्रेड डील। ट्रेड अग्रीमेंट अधड़ में लटका है। वजह है खुद अमेरिका। पर ट्रंप प्रशासन इसका ठीकरा भारत पर फोड़ रहा है। अमेरिका का आरोप है कि पीएम मोदी ने ट्रंप को फोन कॉल नहीं किया। इसलिए यह ट्रेड डील नहीं हो पाई। जबकि हकीकत कुछ और है। खुद भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के दावों की धज्जियां उड़ाई हैं। अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक के दावे पर विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया। कहा कि मोदी और ट्रंप के बीच साल 2025 में 8 बार बात हुई है। इस तरह अमेरिका का यह दावा फर्जी लगता है।

इन बातचीतों में दोनों देशों के रिश्तों से जुड़े कई मुद्दे शामिल थे। जब इस तरह के बयान सामने आते हैं तो एक दिलचस्प सवाल उठता है कि आखिर दुनिया के नेता या राष्ट्राध्यक्ष आपस में फोन पर बात कैसे करते हैं? कैसी प्रक्रिया होती है?

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि इसके लिए कोई सख्त नियम होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह पूरी प्रक्रिया हालात, मुद्दे की गंभीरता और नेताओं के आपसी रिश्तों पर निर्भर करती है। सबसे आम और औपचारिक तरीका कूटनीतिक चैनल होता है।

मान लीजिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रधानमंत्री से बात करना चाहते हैं। तो सबसे पहले व्हाइट हाउस की टीम अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर यह बात अमेरिका में मौजूद भारतीय दूतावास को बताती है। भारतीय दूतावास यह संदेश दिल्ली में विदेश मंत्रालय (MEA) को भेजता है। फिर विदेश मंत्रालय प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) से बात करता है। इसके बाद दोनों नेताओं की सुविधा और बातचीत के मुद्दों को देखकर तारीख और समय तय किया जाता है।

कॉल हमेशा सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड लाइन पर होती है। ये कॉल तकनीकी तौर पर कभी भी कैजुअल नहीं होतीं। अक्सर दोनों तरफ कुछ अधिकारी मौजूद रहते हैं। बातचीत के नोट्स लिए जाते हैं और बाद में आधिकारिक बयान (रीडआउट) भी जारी किया जा सकता है। भले ही बातचीत दोस्ताना माहौल में हो, लेकिन इसकी तैयारी बहुत गंभीर तरीके से होती है।

नेताओं के बीच अच्छे संबंध तो संपर्क में नहीं आती कोई दिक्कत

हालांकि, हमेशा यही लंबा रास्ता नहीं अपनाया जाता। अगर मामला बहुत जरूरी या संवेदनशील हो, तो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA), विशेष दूत या उनके जैसे अधिकारी सीधे आपस में बात करके जल्दी से कॉल तय करवा सकते हैं। कई बार इतनी जल्दी होती है कि दूतावास को भी शुरुआत में पूरी जानकारी नहीं होती। यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आम बात है एक अन्य राजनयिक की मानें तो नेताओं के आपसी रिश्ते भी बहुत मायने रखते हैं। अगर दोनों नेताओं के बीच अच्छी समझ और पहले से बातचीत होती रही है, तो कॉल जल्दी और आसान तरीके से लग सकती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564